मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष-5, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 212 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
16 जनवरी 2024
मंगलवार

आज का मौसम
19 अधिकतम
13 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

चित्रकूट में राम वनगमन पथ की बैठक,दिल्ली से पहुंचे सीएम, आठ जिलों में होंगे काम

रामपथ पर सरकार के कदम,प्रायश्चित पूजन के साथ अयोध्या में शुरू अनुष्ठान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा से पहले मप्र की मोहन सरकार आज चित्रकूट में भगवान राम वनगमन पथ को लेकर आठ जिलों में कराए जाने वाले कार्यों के सिलसिले में बैठक कर रही है। राम वनगमन पथ मप्र की सियासत में भी बीते पांच साल से एक विषय रहा है। कांग्रेस ने भी इसके निर्माण आदि का वादा किया था। हालांकि करीब बारह साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने इस पथ निर्माण की बात चित्रकूट में ही कही थी। आज बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री दिल्ली से सीधे चित्रकूट पहुंचे हैं। इस बैठक में संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी सहित संबंधित विभाग और जिलों के अधिकारी भी उपस्थित हैं। जबकि मुख्य सचिव भोपाल से वीरा राणा वर्चुअली शामिल हो रही हैं।

श्रीरामचंद्र पथगमन न्यास का काम केंद्र सरकार की तरफ से प्रदेश में चिह्नित श्रीराम वन गमन पथ के 23 स्थलों का विकास करना है। इनमें सतना, पन्ना, कटनी, जबलपुर, नर्मदापुरम, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर जिले के स्फटिक शिला, गुप्त गोदावरी, अत्रि आश्रम, शरभंग आश्रम, अश्वमुनि आश्रम, सुतीक्ष्ण आश्रम, सिद्धा पहाड़, सीता रसोई, रामसेल, राम जानकी मंदिर, बृहस्पति कुंड, अग्निजिह्वा आश्रम, अगस्त्य आश्रम, शिव मंदिर, रामघाट, श्रीराम मंदिर, मार्कंडेय आश्रम, दशरथ घाट, सीता मढ़ी शामिल हैं।

भोपाल में कई स्थानों पर माहौल राममय नजर आ रहा है, सड़कों पर राम के फोटो लगे ध्वज भी बेचे जा रहे है।

नड्डा लेंगे बैठक लोकसभा चुनाव में 51 प्रतिशत से अधिक वोट पाने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा इस बार नई रणनीति के साथ चुनावी तैयारी कर रही है। केंद्रीय नेतृत्व की मंशा के तहत प्रदेश में सात क्लस्टर बनाए गए हैं। बताया जा रहा है कि इन क्लस्टरों के प्रभारियों की मंगलवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा बैठक लेंगे। चुनावी तैयारी व सरकारी कामकाज के सिलसिले में सीएम यादव से भी बीती रात नड्डा ने बात की है।

मप्र में पलटेगा मौसम,जल्द होगी शीतलहर की आमद

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तर भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी धूप के बावजूद शीतलहर के कारण ठंड में कमी नहीं आई। घने कोहरे की वजह से दिल्ली में 400 से अधिक घरेलू, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें व 100 से अधिक ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। 68 उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि मार्ग बदलकर चार उड़ानों को भेजा गया। अब उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इसका असर दो दिन के भीतर मध्यप्रदेश में देखने को मिलेगा। इसके चलते भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के कई जिलों में बादल छा सकते हैं। हालांकि, बारिश का अनुमान नहीं है। लेकिन इस सिस्टम गुजरने के बाद प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होगा। मौसम वैज्ञानिकों की मानें, तो भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रदेशभर में जनवरी के दूसरे पखवाड़े में तेज ठंड पड़ सकती है। इससे पहले दिन और रात के टेम्प्रेचर में फिर गिरावट हुई है। बीती रात अचानक पारा तेजी से गिरा और ठंडी हवा भी चलने लगी लेकिन आज सुबह फिर तेज धूप रही। उधर मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में 16-17 जनवरी व उत्तराखंड में 17-18 जनवरी को कहीं हल्की तो कहीं मूसलाधार बारिश के आसार बताए हैं। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ व पूर्वोत्तर के राज्यों में भी कुछ जगह बारिश की संभावना है। दिल्ली पंजाब में भी कड़ाके की सर्दी का दौर है।

मुझसे कहा गया-आज तो कांग्रेस मत छोड़ोः देवड़ा

मुंबई एजेंसी। कांग्रेस का साथ छोड़कर शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने दो दिन पहले पार्टी छोड़ते समय कहा था,'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कांग्रेस के साथ अपने 55 सालों के साथ को छोड़ दूंगा.'लेकिन अब उन्होंने खुलासे के अंदाज में कहा है कि उन्हें कांग्रेस में रोकने की कोशिश नहीं की गई। इस बारे में किसी भी नेता का उनके पास फोन नहीं आया। मगर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का फोन जरूर आया, मगर उन्होंने मुझसे पार्टी में बने रहने की कोई अपील नहीं की बल्कि यह कहा कि मैं राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की लॉन्चिंग वाले दिन पार्टी छोड़ने का ऐलान ना करूं। हालांकि, उनकी इस बात से मुझे काफी तकलीफ हुई और मेरे कांग्रेस से अलग होने के निश्चय को बल मिला। देवड़ा ने यह बात एक अखबार से बात करते हुए कही।

मथुरा के शाही ईदगाह का सर्वे नहीं होगा:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है, आज शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी जिसमें शाही ईदगाह का सर्वे करने के लिए कोर्ट कमिश्नर के नियुक्त करने का आदेश दिया गया था। हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के सर्वे को मंजूरी दी थी, जिसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा, इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी, लेकिन सर्वे करने के लिए कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति पर अंतरिम रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्ष पर सवाल उठाते हुए कहा कि आपकी अर्जी स्पष्ट नहीं है, आपको स्पष्ट बताना होगा कि आप क्या चाहते हैं। शाही ईदगाह में सर्वे की मांग के लिए भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और 7 अन्य लोगों ने वकील हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडे और देवकी नंदन के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सर्वे की मांग की थी. याचिका में दावा किया गया था कि भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान मस्जिद के नीचे है। याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट के समक्ष यह प्रस्तुत किया गया था कि वहां एक कमल के आकार का स्तंभ मौजूद है जो हिंदू मंदिरों की विशेषता है

कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने पर रोक

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य यजमान मोदी नहीं होंगे!

अयोध्या। तीर्थनगरी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी से पहले आज विधिवत पूजा का काम शुरू हो गया है। यह दोपहर बाद तकचलेगा। जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले प्रायश्चित पूजा की शुरुआत की गई। इस पूजन विधि में शारीरिक, आंतरिक और मानसिक तरीके का प्रायश्चित किया जाता है। यजमान को 10 विधि से स्नान कराया जाता है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूतल पर 14 में से 11 स्वर्ण मंडित कपाट लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। वहीं कार्यदायी संस्था के अधिकारी ने जानकारी दी है कि 22 जनवरी से पहले मंगलवार तक बाकी शेष कपाट भी लगा दिए जाएंगे। इसके अलावा परिसर के समतलीकरण का काम भी तेजी से किया जा रहा है। खास बात यह है कि मुख्य यजमान के रूप में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ऊषा मिश्रा अनुष्ठान में बैठ रहे हैं। पहले खबरें थीं कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में पीएम नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान हो सकते हैं, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रवि, राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कराने वाले पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित और रामानंद संप्रदाय के श्रीमठ ट्रस्ट के महामंत्री स्वामी रामविनय दास ने दावा किया है कि मोदी मुख्य यजमान नहीं हैं। वे प्रतीकात्मक यजमान होंगे।

बेअदबी के शक में गुरूद्वारे में हत्या

फगवाड़ा। पंजाब के फगवाड़ा के एक गुरुद्वारे में आज सुबह एक निहंग सिख ने बेअदबी करने के संदेह में एक युवक की हत्या कर दी। रमनदीप सिंह नाम के इस निहंग ने वीडियो शेयर कर हत्या की जिम्मेदारी ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आरोपी ने खुद को चौड़ा खूह गुरुद्वारा परिसर के अंदर बंद कर लिया। भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर तैनात है।

कांग्रेस ने कभी नहीं किया मंदिर विरोध

भोपाल। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आज अयोध्या के श्रीराम मंदिर को लेकर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी राम मंदिर का विरोध नहीं किया, पर भाजपा को केवल ये मुद्दा हिंदू-मुस्लिम का बनाने के लिए मस्जिद गिराना था। सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया 'कांग्रेस ने कभी भी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया। केवल विवादित भूमि में निर्माण हेतु न्यायालय के फ़ैसले तक इंतज़ार करने के लिए कहा था। ग़ैर विवादित भूमि पर भूमि पूजन भी राजीव जी के समय हो गया था।

ईरान का इराक पर बैलेस्टिक मिसाइल से हमला, कई मौतें

बगदाद। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने बीती रात के आसपास उत्तरी इराकी शहर में कथित रूप से ईरानी विरोधी आतंकवादी समूहों के खिलाफ मिसाइल हमला किया। इराक में कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सुरक्षा परिषद के अनुसार, एरबिल शहर में हुए हमले में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है और इस बैलिस्टिक मिसाइल हमले के कारण कुछ समय के लिए हवाई यातायात को भी डायवर्ट कर दिया गया। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने बैलिस्टिक मिसाइल हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि, हमने सीरिया में इस्लामिक स्टेट से जुड़े ठिकानों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि एरबिल में मिसाइल हमले का उद्देश्य जासूसी मुख्यालयों और उन स्थानों को नष्ट करना था, जिनका उपयोग ईरानी विरोधी आतंकवादी समूहों ने ईरान के करमन में आत्मघाती बम हमले की योजना बनाने के लिए किया था, जिसमें 86 लोग मारे गए थे। ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास भी गिरी एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि इन हमलों में कोई भी अमेरिकी सुविधा प्रभावित नहीं हुई।

गहलोत के मंत्री रहे महेश जोशी पर ईडी की रेड

जयपुर एजेंसी। जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी की टीम ने राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी के आधा दर्जन ठिकानों पर आज छापेमारी की है। इसके अलावा पीएचईडी के पांच बड़े अधिकारियों और ठेकेदारों के अड्डों पर भी ईडी ने रेड डाली है। ईडी की रेड जयपुर और बांसवाड़ा समेत कई इलाकों में चल रही है। सूत्रों के मुताबिक इन ठेकेदारों और अधिकारियों को पूर्व मंत्री महेश जोशी का करीबी बताया जा रहा है। बताया जाता है ईडी राजस्थान में जल जीवन मिशन परियोजना में कथित अनियमितताओं के संबंध में तलाशी ले रही है।

मेट्रो एंकर जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल की हालत खराब, पहचनना भी हुआ मुश्किल

हसरतों की ऊंची उड़ान के बाद आपात लैंडिंग

मुंबई , एजेंसी।

कभी हवा में रहने वाले और आसमान से बातें करने वाले देश की उस समय की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन के मालिक फाउंडर नरेश गोयल की हाल में नई तस्वीर सामने आई तो लोग हैरत में पड़ गये। दरअसल वे काफी दिनों से मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद हैं। एक स्पेशल कोर्ट ने उन्हें अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी थी। उनके जेल से बाहर निकलने की एक तस्वीर जब मीडिया में आई तो लोग हैरत में पड़े। समान से बातें करने वाले नरेश गोयल इस तस्वीर में टूटे हुए और असहाय लग रहे हैं। गोयल केनरा मनी लॉन्ड्रिंग के केस में फंसे हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि जेट एयरवेज कभी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन हुआ करती थी लेकिन फिलहाल यह बंद पड़ी है। कभी आसमान में उड़ने गोयल की ऐसी हालत क्यों हुई? यह भी लंबी कहानी है। फिलहाल तो गोयल पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। गोयल समेत कई अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज हुआ है। दिल्ली से मुंबई तक उनके आठ ठिकानों पर छापेमारी हुई और उनकी मुशकिलें बढ़ती चली गईं। जांच एजेंसी ने अब केनरा बैंक की शिकायत पर नया मामला दर्ज किया। इसी मामले में नरेश गोयल की गिरफ्तारी हुई है।

दरअसल नरेश गोयल 1967 में जब पटियाला से दिल्ली आए थे तो उनकी उम्र मात्र 18 साल थी। उनकी जेब एकदम खाली थी और परिवार गंभीर आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। दो वक्त की रोटी के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। गोयल अपने परिवार की इस बदहाली से निकालना चाहते थे। उन्होंने कनॉट प्लेस की एक ट्रैवल एजेंसी में नौकरी की जो उनके चचेरे नाना चला रहे थे। गोयल को यहां 300 रुपये महीने सैलरी मिलती थी। वहीं उन्होंने ट्रैवल एजेंसी का ककहरा सीखा। धीरे-धीरे वह ट्रैवल इंडस्ट्री में अपने पांव पसारने लगे।

ट्रेवल एजेंसी का नाम था जेट!

करीब पांच साल बाद यानि 1973 में नरेश गोयल ने खुद की रोड़ ट्रैवल एजेंसी खोल ली। इसे उन्होंने जब जेट एयर नाम दिया तो लोग उनका मजाक उड़ाया करते थे कि उन्होंने अपनी ट्रैवल एजेंसी का नाम एयरलाइन कंपनी जैसा रखा है। तब गोयल कहा करते थे कि एक दिन वह खुद की एयरलाइन कंपनी भी जरूर खोलेंगे। फिर आखिर वह दिन भी आ गया जब उन्होंने अपनी एयरलाइन कंपनी खोली। गोयल ने साल 1991 में एयर टैक्सी के रूप में जेट एयरवेज की शुरुआत की। एक साल में ही उन्होंने चार विमानों का बेड़ा तैयार कर लिया और जेट एयरक्राफ्ट की पहली उड़ान शुरू हो गई। साल 2007 में एयर सहारा को टेकओवर करने के बाद 2010 तक जेट एयरवेज देश की सबसे बड़ी एयरलाइन थी। लेकिन जल्दी ही कंपनी की मुसीबतें बढ़ने लगीं। मार्च 2019 में उन्हें अपने पद से हटना पड़ा और उसी साल जेट एयरवेज का संचालन भी बंद हो गया।

पेशी में रो पड़े थे गोयल: हाल में स्पेशल कोर्ट के समक्ष पेशी के दौरान गोयल भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा कि आंखों में आंसू लिए बोले कि मैं जिंदगी की हर उम्मीद छोड़ चुका हूं। ऐसी स्थिति में जीने से अच्छा होता कि जेल में ही मुझे मौत आ जाए। प्रवर्तन निदेशालय ने गोयल को पिछले साल एक सितंबर को गिरफ्तार किया था और उन्हें न्यायिक हिरासत में आर्थर रोड जेल में रखा गया है।

हजारों मील का सफर करके आए, लाल सिर वाले मेहमान

भोपाल। यूरोप और सेंट्रल एशिया से हजारों कि.मी. का सफर तय कर भोपाल आने वाली ये बतखें हैं, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड। नर पक्षी का सिर सुनहरे लाल रंग का और चोंच गुलाबी लाल होती है। जबकि मादा का सिर ग्रे कलर का होता है। लगभग एक से डेढ़ किलो वजन वाली ये खूबसूरत बतखें हर साल बड़ी झील में आती हैं। इस बार भी बड़ी संख्या मे दिखाई दे रही हैं। हालांकि ये मनुष्य से बहुत डरती है और दूरी बनाए रखती है।

फोटो देवेंद्र दुबे(फेसबुक वॉल से)

यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर में जमीन के अंदर मौजूद जहरीले कचरे का मामला

बारिश के पहले नहीं किया कचरे का निपटान तो और बढ़ेगा जहर का दायरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर में जमीन के अंदर दबे कचरे का निपटान बारिश के पहले नहीं किया तो जहर का दायरा और बढ़ेगा। 1984 के बाद से यही हो रहा है। इस कचरे से निकलने वाला पानी हर साल अपना दायरा बढ़ा रहा है। इसने आसपास की मिट्टी को कई मीटर गहराई तक जहरीला बना दिया है। आसपास के जल स्त्रोत प्रदूषित हो चुके हैं, उनमें हानिकारक कैमिकल्स की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। यही हाल रहा है तो भू–जल तंत्र पूरी तरह प्रदूषित हो सकता है और इसका असर आसपास के कई वर्ग किलोमीटर तक फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

असल में 2 व 3 दिसंबर 1984 की रात भोपाल में भीषण गैस कांड हुआ है। यह गैस जेपी नगर स्थित यूनिय कार्बाइड के कारखाने से रिसी थी जिसे अब डॉव कैमिकल्स नामक कंपनी ने खरीद लिया है। रिसाव के समय और उसके बाद हजारों लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग अब भी प्रभावित है। हादसे के समय कारखाने में जो जहरीले कैमिकल्स थे वे वहीं पर जमीन के अंदर दबाए गए हैं, जिनका निपटान होना था जो कि आज पर्यंत तक नहीं जा सका है। हाल ही में कचरा निपटान का मामला फिर चर्चा में आया है।

असल में बीते सप्ताह गैस राहत मंत्री विजय शाह कारखाने का निरीक्षण करने पहुंचे थे और उन्होंने कचरे के निपटान की प्रक्रिया में तेजी लाने का दावा किया है। मंत्री के दावों पर अभी भी जानकारों को भरोसा नहीं हो रहा है क्योंकि 1984 के बाद से लेकर अब तक कई बार इस तरह के दावे होते रहे है लेकिन कचरे का निपटान नहीं हो सका है। विशेषज्ञों का कहना है कि मंत्री को वैज्ञानिक पहलुओं के आधार पर पुनः अध्ययन की प्रक्रिया को तेज कर कचरे के निपटान की प्रक्रिया बारिश से पहले पूरी करनी चाहिए, ताकि कचरे के कारण फैलने वाले जहर का दायरा न बढ़े।

कई बार हुई कोशिश असफल अब मंत्री विजय शाह ने किया है निपटान का दावा

लाखों रुपये खर्च, नतीजा सिफर

कचरे के निपटाने के नाम पर अब तक लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि मप्र सरकार की थी, जो कि गैस राहत मामलों से जूझ रहे लोगों की सेहत और पर्यावरण को बेहतर बनाने के नाम पर खर्च की जानी थी जिसे कचरे के निपटाने से जुड़ी प्रक्रिया में खर्च किया गया लेकिन निपटान की दिशा में कोई समाधान नहीं निकला है।

पूर्व में गैस राहत विभाग का जिम्मा विश्वास सारंग के पास था, उन्होंने भी कचरा निपटान के समय–समय पर दावे किए थे। विभागीय समीक्षा बैठकें भी की थीं लेकिन कोई हल नहीं निकला है।

कई कॉलोनियों का भू–जल प्रदूषित

विष विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक कारखाना क्षेत्र की 47 कॉलोनियों का भू–जल प्रदूषित हो चुका है। यहां के पानी में कई कैमिकल्स का स्तर बढ़ा हुआ मिला है, जो कि स्वास्थ्य के लिए गंभीर नुकसान पहुंचाने वाले होते हैं।

आरजीपीवी

बीटेक, एमबीए के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू, फार्मेसी के लिए 3माह की देरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की बीटेक, एमबीए, एमसीए, एमटेक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई है। वहीं 18 जनवरी से बीफार्मा, एमबीए, एमटेक और एमसीए के तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। इन परीक्षाओं में करीब सवा लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षाओं के लिए प्रदेश में करीब सवा सौ परीक्षा केंद्र तैयार किए गए हैं। द्वितीय से चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। यह परीक्षाएं अगले सप्ताह से शुरू होंगी। वहीं 5वें से लेकर 8वें सेमेस्टर तक की परीक्षाएं विवि पूर्व में करा चुका है। सिर्फ फार्मेसी के 25 हजार विद्यार्थियों की परीक्षाएं तीन माह विलंब से शुरू हो सकेंगी। तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) द्वारा फार्मेसी कॉलेजों में वर्तमान सत्र के लिए दिसंबर तक एडमिशन कराए गए। इसके चलते परीक्षा करीब दो माह पिछ? गई है। अब इनके एग्जाम मार्च में होंगे। एकेडमिक कैलेंडर के तहत ये परीक्षाएं अभी तक शुरू हो जानी थीं। आरजीपीवी प्रबंधन का कहना है कि शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार जिन कोर्स में प्रवेश समय रहते हो गए थे, उनके एग्जाम 16 जनवरी से शुरू हो रहे हैं। वहीं जिन कोर्सों में प्रवेश में देरी हुई, उनकी परीक्षाएं भी देरी से शुरू हो सकेंगी।

30 दिसंबर तक कराए थे प्रवेश: पीसीआई द्वारा देर से मान्यता जारी किए जाने से डीटीई ने 30 दिसंबर तक फार्मेसी कालेजों में प्रवेश कराए थे। प्रदेश में 382 बीफार्मा, डीफार्मा और एमफार्मा कालेजों में सत्र 2023-24 में करीब 25 हजार विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं। इनमें प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परीक्षाएं अभी तक शुरू होनी थीं, लेकिन पीसीआई ने कॉलेजों को मान्यता देने में विलंब किया। वहीं सीटों पर प्रवेश कराने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग ने दिसंबर तक काउंसलिंग आयोजित की। ऐसे में विद्यार्थियों का सिलेबस पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में परीक्षा मार्च में ही हो सकेगी, तब तक विद्यार्थियों का सिलेबस भी पूरा हो जाएगा।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव से पहले स्वच्छता अभियान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले स्वच्छता अभियान चल रहा है। संतनगर के स्कूलों के मंदिरों और भाजपाइयों ने शिव मंदिर में साफ-सफाई की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राम प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे देश में मंदिरों एवं उसके परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाने का आव्हान किया गया है, जिसके चलते साधु वासवानी स्कूल एवं मुकिता इन्टरनेशनल स्कूल में स्थित मंदिर में सफाई की गई। शिक्षाविद विष्णु गेहानी कहा कि श्री राम भगवान के अयोध्या मंदिर में विराजमान होने की खुशी हर भारतीय के मन में है। शिक्षक राम पारशर द्वारा श्रीराम भगवान जी की तस्वीर पर मुकुट पहनाया, तिलक

लगाया एवं माल्यार्पण कर आरती की गई। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं ने श्री राम भगवान एवं मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं की पूजा अर्चना की।

श्री राम मंदिर निर्माण स्वच्छता अभियान शुरू: भाजपा संतनगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने चंचल चौराहे स्थित शिव मंदिर पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हर मंदिर की स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया।

शूटिंग बॉल में महाराणा क्लब जीता

भोपाल दोपहर मेट्रो। राजधानी के महाराणा प्रताप क्लब की शूटिंग बॉल स्पर्धा में प्रथम स्थान के लिए महाराणा प्रताप क्लब ए टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में दस टीमों ने भाग लिया। राष्ट्रीय खिलाड़ी सुबोध श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और समापन मौके पर ननि अध्यक्ष किशन सूर्यवंशीने पुरस्कार वितरित किये। आयोजन समिति के अध्यक्ष कैलाश तनबानी, क्लब संरक्षक राधेश्याम भार्गव समेत अनेक लोगों ने इस मौके पर मौजूद रहकर टीमों का उत्साहवर्धन किया। भार्गव ने कहा कि भविष्य में स्पर्धा को बड़े स्वरूप में किया जाएगा।

राम नाम गुणगान के साथ धार्मिक उत्सव शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की भव्य प्रतिमा के लिए अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर इन दिनों देश - प्रदेश के साथ ही विदेश में भी धार्मिक आयोजन शुरू हो गए हैं।

भोपाल के गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने आज माता मंदिर चौराहे के समीप अंजलि काम्प्लेक्स स्थित गौड़ भवन में विशेष बैठक का आयोजन किया। बैठक में मकर संक्रान्ति पर्व से लेकर आगामी 22 को श्री राम मंदिर अयोध्या में होने वाले भव्य समारोह तक प्रतिदिन

श्रीराम - राम, सीताराम, सीताराम- सीताराम मन्त्र जाप का संकल्प लिया गया।

सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी संस्था आत्मीय सभा के आह्वान पर आयोजित बैठक में उपस्थित महिलाओं का स्वागत सुनीता मधुसूदन पाण्डेय, शप्रीति अमिताभ पाण्डेय ने किया। सुशीला राजेन्द्र चौबे, प्रीति मनोज चौबे, सीमा आनंद चौबे, श्विनीता रजनीश चौबे, अदिति नवनीत चौबे ने शुभकामनाएं दी। महिलाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आज से आगामी 22 जनवरी तक समाज सभी महिलाएं भजन संध्या में शामिल होंगी। यह भजन संध्या समाज की हर महिला के घर अलग-अलग दिनों में आयोजित की जाएगी।

रक्तदान शिविर

भोपाल। बीएमएचआरसी व बिटोआ गवर्निंग के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। बिटोआ से अध्यक्ष ललित जैन,सचिव धीरेंद्र पटेल,कोषाध्यक्ष बंटी गौर,मीडिया प्रभारी अजय मीणा,महेंद्र चांडक,जितेंद्र अग्रवाल,मुश्ताक खान,अमित उपाध्याय आदि सदस्य उपस्थित रहे ।

मेट्रो एंकर छात्रों ने एक दूसरे को तिल के लड्डू खिलाकर अपनी खुशियां साझा की...

मकर संक्रातिः बच्चों ने पतंग बनाई और खूब उड़ाई

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी गांधीनगर की शिक्षण संस्थाओं में मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। पंतग बनाओ प्रतियोगिता के बाद बच्चों ने पतंग उड़ाई।

शिक्षकों ने पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों को बताया गया कि यह उत्सव हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखने का अवसर प्रदान करते हैं। इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने के साथ ही दक्षिणायन से उत्तरायण होता हैं, इसलिए इसे मकर संक्रांति कहते हैं। इस दिन स्नान-दान का विशेष महत्व होता है। मकर संक्रांति पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के साथ सूर्य देव की पूजा की जाती है। इस अवसर पर छात्रों ने एक दूसरे को तिल के लड्डू खिलाकर अपनी खुशियां साझा की।

इस अवसर पर शाला सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी नीलेश हिंगोरानी ने सभी विद्यालय के प्राचार्यों तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

हर्ष, आनंद और अपार उल्लास होगा
प्रभु का घट-घट में वास होगा
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
जन-जन की प्राण शक्ति, भारत की सांस्कृतिक समृद्धि के तिलक, सुखधाम, प्रभु श्रीराम की अयोध्या में भव्य प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देश उल्लासमय है, भक्ति भाव में सराबोर है। इस शुभ अवसर पर मध्यप्रदेश भी पूरे उत्साह के साथ इस पावन अवसर के लिए तैयार है। इसी क्रम में प्रदेशभर में आयोजनों के माध्यम से इस अवसर को विशेष बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं।
श्रीराम मंदिर अयोध्या में
प्राण-प्रतिष्ठा के पूर्व प्रदेशभर में
अध्यात्म और आस्था का उत्सव
16 से 22 जनवरी, 2024
श्रीराम वन-गमन पथ के निर्माण को गति देने के लिए
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में चित्रकूट में न्यास की पहली बैठक से उत्सव का आरंभ
• समस्त जिलों में प्रभात फेरी एवं कलश यात्राएं
• मंदिरों के आस-पास विशेष स्वच्छता अभियान
• 28 पवित्र स्थानों पर श्री रामचरित लीला समारोह, ओरछा एवं चित्रकूट में विशेष आयोजन
• शहरों और गांवों में हर घर दीप प्रज्ज्वलन का आह्वान
• 22 जनवरी, 2024 को मंदिरों, पवित्र नदियों, जलाशयों में दीपदान एवं प्रकाश व्यवस्था
• प्रमुख मंदिरों में एलईडी से प्राण-प्रतिष्ठा का सजीव प्रसारण
• विशेष ट्रेनों और अयोध्या जाने वाले तीर्थ यात्रियों का पुष्प वर्षा से स्वागत
• स्थानीय कलाकारों एवं संस्थाओं के सहयोग से श्रीराम-जानकी से संबंधित चित्र, शिल्प, रंगोली आदि का प्रदर्शन, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परिचर्चा, नृत्य-नाटिका, भजन संध्या का आयोजन
• गांवों में श्रीराम कथा सप्ताह में गायन, कथा वाचन, रामचरित मानस पाठ पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन
D-11169/23
मध्यप्रदेश शासन

वैज्ञानिक सोच के लिए जरूरी विज्ञान कांग्रेस

सुविचार

''खुद में झांकने के लिए जिगर चाहिए
वरना दूसरों की शिनाख्त में तो हर शख्स माहिर है।''
– अज्ञात

l ikndh;

अर्थव्यवस्था और कर्ज

यह अब कहा जा सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के अब अच्छे दिन चल रहे हैं। बीते दो साल तो काफी बेहतर कहे भी जा सकते हैं। इसीलिये हमारे देश ने फिर से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारतीय बाजार इस समय गुलजार चल रहा है। सेंसेक्स व निफ्टी अपने लाइफटाइम हाई पर पहुंच रहे हैं और हर बार नया रेकार्ड बना रहे हैं। अमेरिका और जर्मनी की बैंक नीतियों से भी भारतीय बाजार को खासा बल मिल रहा है। दूसरी तरफ सरकार पांच ट्रिलियन डॉलर की इकानामी बनाने के लक्ष्य को लेकर तेजी से कदम भी बढा रही है यानि पूरा आलम ही कुछ ऐसा है कि ज्यादातर आर्थिक गतिविधियां भी सही रास्ते पर जाती नजर आती हैं। लेकिन समस्या ये है कि सरकार और राज्यों पर बहुत ज्यादा कर्ज होता गया है। अगर इसे कम नहीं किया गया तो आशंका बनी रहेगी कि कहीं हम इस अच्छे मौके का पूरा फायदा उठाने में चूक न जाएं। यह साफ है कि 2019-20 में महामारी से पहले ही ये कर्ज बढ़ने लगा था जो तब से कम नहीं हुआ है। 2022-23 में सरकारों का कुल कर्ज सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 86.5त्न था, जो पिछले 40 सालों में सबसे ज्यादा में से एक है। ये पिछले साल के 85.2त्न से भी ज्यादा है। भारत में आमतौर पर आर्थिक समस्याओं के साथ ऊर्जा की कीमतें भी बढ़ जाती है हालांकि इस बार ऐसा नहीं हुआ। पिछले 10 साल से कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल से नीचे रही है, जो हमारे लिए फायदेमंद है। इसलिए चालू खाता घाटा (सीएडी) भी जीडीपी का 2त्न से कम रहा है, लेकिन दूसरी तरफ सरकारों का कुल घाटा 9.4त्न रहा है, जो आर्थिक जानकारों के नजरिये से काफी ज्यादा है। माना जा रहा है कि कर्ज ज्यादा होने का एक कारण ये भी है कि निजी कंपनियां मुट्ठी ठीक से खोल नहीं रही हैं। वो अर्थव्यवस्था में कम पैसा लगा रही हैं। बैंकों और कंपनियों ने अपने लोन कम कर दिए जिससे निजी निवेश कम हो गया है। इसी वजह से सरकार ने ज्यादा पैसा लगाकर अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की कोशिश की है। फिलहाल कुल निवेश जीडीपी का केवल 32 फीसद है। जबकि 2011-12 में ये 38-39 फीसद था। इसमें भी महत्वपूर्ण यह है कि पिछले दशक में सरकार ने ही ज्यादा निवेश किया है। बावजूद अर्थव्यवस्था अब बेहतर होती दिख रही है। इस आधार पर निजी निवेश बढ़ाने का हरसंभव जतन होना ही चाहिये। लेकिन अगर सरकार का कर्ज कम नहीं हुआ तो निजी कंपनियां ज्यादा ब्याज चुकाने के लिए मजबूर होंगी। तब निवेश और कम होते जाने की आशंका मौजूद रहेंगी। निजी निवेश के बढावा देने के लिये यह बहुत जरूरी है कि आने वाले सरकार के बजट में सरकारों को कर्ज कम करने का रोडमैप बताना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ज्यादा ब्याज दरें आर्थिक विकास की गति धीमी कर सकती हैं। पहले भी आर्थिक समस्याओं ने विकास की रफ्तार को धीमा किया है। निश्चित तौर पर केंद्र सरकार का ध्यान इस पर होगा लेकिन सरकार और राज्यों को जल्द से जल्द ठोस कदम उठाना चाहिये ताकि विकास की रफ्तार अब किसी भी सूरत में कम न हो।

दिनेश सी. शर्मा

आमतौर पर जनवरी माह का पहला सप्ताह भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण समय होता है। यह वह वक्त है जब विशाल सालाना आयोजन ङ्क भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) का अधिवेशन होता है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करते हैं और देशभर से आये हजारों वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी इसमें भाग लेते हैं। लेकिन जनवरी, 2024 अलग रहा। जब न केवल जालंधर के पास स्थित एक यूनिवर्सिटी ने आखिरी वक्त पर इसकी मेजबानी करने से हाथ खींच लिए और वजह बताई 'अनदेखी चुनौती' बल्कि आयोजन के लिए धन मुहैया करवाने वाली केंद्र सरकार ने भी। इससे मजबूरन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन ने अब यह आयोजन रद्द कर दिया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एक नायाब मंच है। जहां अन्य वैज्ञानिक सम्मेलन किसी विशेष विषय के दायरे में होते हैं, जिनमें चुनींदा शीर्ष वैज्ञानिक भाग लेते हैं, वहीं आईएससी अधिवेशन बहु-विषयक है और इसमें भाग लेने का मौका तमाम नियमित विज्ञान विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए खुला होता है। यह विज्ञान नीति निर्धारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श करने और सरकार को सुझाव देने का मंच रहा है। इस प्रकार के सुझाव नीतियों को स्वरूप देने में मददगार रहे, यहां तक कि नए सरकारी विभागों का सृजन भी संभव हुआ, मसलन, पर्यावरण विभाग, जिसने आगे चलकर मंत्रालय का स्वरूप लिया, और सागर विभाग जो वर्तमान में पृथ्वी विज्ञान के नाम से जाना जाता है। सबसे ऊपर, आईएससी विज्ञान संचार एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के अतिरिक्त जिज्ञासा की ललक को बढ़ाने का काम करती रही। 1914 में अपनी स्थापना के साथ, आईएससी के वार्षिक अधिवेशन कोविड महामारी से बनी रुकावट के दौर के अलावा, बिना नागा होते रहे। विज्ञान कांग्रेस की गाथा और भारत में आधुनिक विज्ञान की उन्नति आपस में गुंथी रही है। आईएससीए की स्थापना भारत में कार्यरत दो ब्रिटिश शिक्षाविदों ङ्क कैनिंग कॉलेज, लखनऊ के प्रो. पीएस मैकमोहन और प्रेसिडेंसी कॉलेज, मद्रास के प्रो. जेएल साईमनसन का मूल विचार था। इसकी प्रेरणा उन्हें ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एडवांसमेंट ऑफ साइंस से मिली। उद्देश्य था, जो लोग विशुद्ध एवं कार्यकारी विज्ञान में रुचि लेते हों, उन्हें साझा मंच प्रदान करना और समाज के साथ विज्ञान का राब्ता बनाना। यह पहला ऐसा मंच था जहां गणित, खगोलशास्त्र, भौतिकी, रसायन शास्त्र, भू-विज्ञान और जीव-विज्ञान से जुड़े लोग आपस में मिलते और नवीन विचारों का आदान-प्रदान करते। इस प्रकार की बैठकों को ध्यान में रखकर, सालों तक, नये वैज्ञानिक समाज और व्यावसायिक संस्थानों का उद्भव हुआ- नतीजा रहा समरस भारतीय वैज्ञानिक समुदाय।

राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के कुछ आलोचक कहते हैं कि यह मंच अपनी प्रासंगिकता गंवा चुका है और अभी भी सदी पुरानी रिवायत और प्रारूप में जकड़ा हुआ है। हालांकि इस प्रकार की धारणा सही नहीं है और यह आईएससी के उस क्रमिक विकास को झुठलाना है, जिसने भारत में विज्ञान की उन्नति के विभिन्न चरणों के साथ अपनी गति बनाए रखी। पहला चरण था 1914-1947 का, जब भारतीय साइंसदानों और भारत में स्वरूप ले रहे विश्वविद्यालयों एवं प्रयोगशालाओं में कार्यरत यूरोपियन वैज्ञानिकों के बीच विचारों का आपसी आदान-प्रदान काफी रहा। आईएससी अधिवेशनों में प्रस्तुत सभी खोज-पत्रों की प्रतिद्वंद्वी-मीमांसा होती, जिससे वैज्ञानिक कार्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने और इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने के सिद्धांत का उद्भव हुआ। भारत में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का प्रकाशन भी आईएससी का एक उप-उत्पाद है। मेघनाद साहा द्वारा स्थापित 'साइंस एंड कल्चर' पत्रिका इसका एक प्रमुख उदाहरण है। 1930 के दशक के आखिर में, जब स्वतंत्रता आंदोलन गति पकड़ने लगा और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भावी भारत को लेकर योजनाओं की रूपरेखा बनानी शुरू की, तो तीव्र औद्योगिकीकरण एवं सामाजिक दायित्व के जरिये राष्ट्रीय विकास के लिए नूतन विचारों के लिए आईएससी एक सार्थक मंच बना। यह 1937 का अधिवेशन था जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने संबोधन में ये कालजयी पंक्तियां कहीं 'विज्ञान युग की आत्मा है और आधुनिक

संसार का सिरमौर अवयव। भविष्य विज्ञान का है और उनका, जो विज्ञान से दोस्ती रखना चाहेंगे और समाज की तरक्की के लिए इसकी मदद लेना चाहेंगे'। वे 1947 में आईएससी के जनरल प्रसिडेंट बने और 1964 में अपने देहांत तक प्रत्येक सालाना अधिवेशन को संबोधित करते रहे। इसके बाद से, वैज्ञानिक समुदाय और आईएससी में अपना संबोधन देना सत्तासीन प्रधानमंत्री के लिए एक रिवायत बन गई और उन्होंने इस अवसर का इस्तेमाल अक्सर महत्वपूर्ण नीतिगत घोषणाओं के लिए किया।

आजादी उपरांत जैसे-जैसे राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं और अनुसंधान परिषदें स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई, आईएससी भी नए चरण में दाखिल हुई। वैज्ञानिक अनुसंधान का मंच बने रहने के अलावा यह योजनाओं, खाद्य संकट और स्वास्थ्य विकास जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श का सम्मेलन रही। समय के साथ, विश्वविद्यालय व्यवस्था से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं के अलावा, वे लोग जो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक विभागों से संलग्न थे, परिचालन पर उनका दबदबा बनने लगा। अनुशासन-विषयक व्यावसायिक समुदाय विकसित हुए और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियां अगले कुछ सालों में परिपक्व हुईं, वैज्ञानिक खोज-पत्र आईएससी मंच की बजाय व्यावसायिक संस्थानों की बैठकों में पेश करने की वजह से इसकी चमक कुछ फीकी पड़ने लगी। वर्तमान में विज्ञान में बनी विविधता, उच्च विशेषज्ञता एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति के चलते, आईएससी के लिए यह मानना अयथार्थवादी होगा कि वह शोधपत्र आदि प्रस्तुत करने के लिए साइंसदानों की पहली पसंद बने। अतएव, पिछले सालों में, वैज्ञानिक समुदाय में बहुतों को महसूस हो रहा है कि आईएससी केवल एक मेला बनकर रह गई है। स्थानीय आयोजकों द्वारा प्रवेश को आसान बनाने की कमजोरी का फायदा उठाकर, आईएससी सत्रों में गैर-वैज्ञानिक तत्वों की घुसपैठ देखने को मिली है। तथापि, बहु-विज्ञान धाराओं में अपने ज्ञान को अन्य से साझा करने के इच्छुक वैज्ञानिक, युवा साइंसदानों एवं उभरते वैज्ञानिकों व अपने समकक्षों से संवाद करने के लिए आईएससी को उपयोगी पाते हैं। प्रमुख अनुसंधान और शिक्षण संस्थानों के अतिरिक्त, भारत में बहुत से विश्वविद्यालय एवं कॉलेज हैं, जहां विज्ञान पढ़ाया जाता है, चूंकि उनके छात्र और अध्यापक चोटी के व्यावसायिक संस्थानों एवं शिक्षा जगत के सदस्य नहीं हैं लिहाजा अपने शोध पत्र की प्रस्तुति और चोटी के वैज्ञानिकों और नीति-निर्धारकों से संवाद के लिए उन्हें आईएससी की जरूरत है। नोबेल पुरस्कार विजेता तक आईएससी सत्रों को संबोधित करते आए हैं और वे प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत व सबसे बड़ा आकर्षण होते हैं।

इन तमाम वजहों के चलते, आईएससी का बने रहना और पुनर्नवीनीकरण किया जाना जरूरी है। कई मर्तबा जब हम सोशल मीडिया के जरिये छद्म-विज्ञान का उद्भव होते देखते हैं, तब हमें आईएससी जैसे और मंचों की जरूरत है ताकि वैज्ञानिक सोच बनाने को बढ़ावा मिले और विज्ञान-विरोधी प्रवृत्तियों का प्रतिरोध हो पाए। केंद्रीय सरकार की भी जवाबदेही बनती है कि क्योंकर विज्ञान एवं तकनीक विभाग ने आईएससी आयोजन को वित्तीय मदद देना बंद कर दिया है।

साभार : लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

निशाना

आया फिर बयान !

– कृष्णेन्द्र राय

नया नया उनका ।
आया फिर बयान ।।
मित्रों खातिर उनका ।
है सारा सामान ।।
तनिक भी गरीबों पर ।
नहीं हैं देते ध्यान ।।
चरम पर ग़रीबी ।
टूट गए अरमान ।।
थी सत्ता हमारी जब ।
आप थे धनवान ।।
और थे खुशहाल आप ।
थी अलग पहचान ।।
पकड़ा ज़ोर धीरे धीरे ।
लगता अब प्रचार ।।
आएंगे अब करने ।
सारे चमत्कार ।।

आज का इतिहास

- **2020** - केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के सूरत में स्थित हजीरा लार्सन एंड टुब्रो आर्मर्ड सिस्टम कॉम्प्लेक्स में 51वीं के-9 वज्र-टी तोप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- **2013** - सीरिया के इदलिब में बम धमाकों में 24 लोगों की मौत।
- **2009**- उत्तर प्रदेश को हराकर मुम्बई ने रिकार्ड 38वीं बार रणजी चैम्पियनशिप जीती।
- **2008** - सेतुसमुद्रम परियोजना पर योजना का मसौदा पेश करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार को दो हफ्ते का समय दिया।
- **पाकिस्तान** में वजीरिस्तान में वाना क्षेत्र में आतंकी हमले में 30 सैनिक लापता हुए।
- **2006** - समाजवादी नेता माइकल बैशलेट चिली की प्रथम महिला राष्ट्रपति चुनी गयीं।
- **2005** - जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख अज़हर पर शिंकजा कसने के लिए एफ़.बी.आई. ने भारत से मदद मांगी।
- **2003** - भारतीय मूल की कल्पना चावला दूसरी अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना।
- **2000** - चीन सरकार ने दो वर्षीय तिब्बती बालक को साकार बुद्ध के पुरावतार के रूप में मान्यता प्रदान की।
- **1999** - भारत के अनिल सूद विश्व बैंक के उपाध्यक्ष बने, टोक्यो (जापान) पुनः विश्व का सबसे मंहगा शहर घोषित।
- **1996** - हब्बल अंतरिक्ष दूरबीन के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में 100 से अधिक नये आकाशगंगा को खोज निकालने का दावा किया।
- **1995** - चेचेन्या में चल रहे गृहयुद्ध को रोकने के लिए रूसी प्रधानमंत्री विक्टर चेर्नोमिर्दिन एवं चेचेन्या प्रतिनिधिमंडल के बीच समझौता।
- **1992** - भारत एवं ब्रिटेन के बीच प्रत्यर्पण संधि।
- **1991** - पहला खाड़ी युद्ध (अमेरिका की इराक के खि़लाफ़ सैन्य कार्रवाई शुरू)।

आत्मनिर्भर महिलाओं की दुनिया और पुरुषवादी समाज में आधी आबादी की सफलता पर कुछ सवाल

तस्लीमा नसरीन

यह मानना भ्रामक है कि निचले तबके की स्त्रियों को ही पुरुष वर्चस्ववादी समाज का दबाव या अत्याचार सहना पड़ता है। उच्च वर्ग की महिलाओं को भी उतने ही समझौते करने पड़ते हैं।

हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री नीतू सिंह की सोशल मीडिया पर बेहद मजबूत उपस्थिति गौर करने लायक है। हालांकि यह प्रतिभा संपन्न अभिनेत्री अब भी फिल्मों में कभी-कभार दिख जाती हैं, लेकिन ऋषि कपूर के जीवित रहते हुए शायद ही अखबार, टेलीविजन, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और पार्टियों में उनकी ऐसी उपस्थिति दिखती थी। बीते दिनों की इस सदाबहार अभिनेत्री को जनता जैसे भूल ही गई थी। पर हाल के वर्षों में उन्होंने फिर से खुद को प्रासंगिक बनाया है। कहा जाता है कि हर पुरुष की सफलता के पीछे किसी नारी का योगदान होता है। वैसे ही नारी की सफलता के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। मैंने तो पति के गुजर जाने या उसका साथ छोड़ देने पर कई महिलाओं को सफलता की सीढ़ियां चढ़ते देखा है।

यह मानना भ्रामक है कि निचले तबके की स्त्रियों को ही पुरुष वर्चस्ववादी समाज का दबाव या अत्याचार सहना पड़ता है। उच्च वर्ग की महिलाओं को भी उतने ही समझौते करने पड़ते हैं। बांग्लादेश की चर्चित अभिनेत्री परीमणि ने कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि चूंकि उनके पति ने निरंतर उनका शारीरिक-मानसिक शोषण किया, इसलिए वह पति से सारे रिश्ते खत्म कर रही हैं। मानने का कारण है कि उनकी उस घोषणा के बाद उनके परिचितों-परिजनों का उन पर अपना फैसला वापस लेने का दबाव बना। कुछ लोग तो सोशल मीडिया पर उन पर उलजुलूल आरोप लगाने तक से बाज नहीं आए। नतीजा वही हुआ, जिसकी आशंका थी। आखिरकार परीमणि को समझौता करना पड़ा, और फेसबुक पर पति से तलाक लेने की जो सूचना उन्होंने पोस्ट की थी, वह उन्होंने डिलीट की। परिवार और समाज के दबाव पर परीमणि को उसी पुरुष के साथ रहने के लिए विवश होना पड़ा, जिससे वह अलग होना चाहती थीं। जाहिरहै, उन्हें फिर से वही शारीरिक-मानसिक शोषण का सामना करना पड़ेगा। फिर वह अंदर-बाहर से टूटती-घुटती रहेंगी। फिर भी चुप रहना पड़ेगा। बांग्लादेश में असंख्य महिलाओं की चहेती परीमणि को असंख्य शोषित महिलाओं की तरह गूंगी और सहनशील बनकर जीवन बिताना पड़ेगा। पति की सफलता के पीछे उनके योगदान को स्वीकारा जाएगा। लेकिन उन्हें अपनी सफलता के लिए

इंतजार करना पड़ेगा। और क्या पता, पारिवारिक-सामाजिक दबावों के आगे समर्पण कर देने वाली परीमणि को वह सफलता कभी मिले ही न, जो वह चाहती हैं। वह सफलता शायद उन्हें अकेले रहने पर मिल सकती है। जिस तरह हमारे समाज में महिलाओं के लिए पति की उपस्थिति जरूरी है, उसके बिना विवाहित स्त्री के जीवन का कोई मूल्य नहीं है, वैसे ही संतान का होना भी जरूरी है। ये समाज के कुछ पैमाने हैं, जिन्हें आज भी पहले की तरह लागू किया जाता है। दरअसल पति के साथ रहने और संतान को जन्म देने जैसे मानक सैकड़ों-हजार वर्षों से स्त्रियों को बांध देने के लिए समाज में लागू हैं। इस दुनिया में ऐसी असंख्य शिक्षित, आत्मनिर्भर और सजग औरतें हैं, जिन्होंने शादी नहीं की, न ही संतानों को जन्म दिया। फिर भी उनका जीवन व्यर्थ नहीं हुआ।

महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में हमारे समाज का रवैया कैसा है, इसका पता बांग्लादेश की एक हालिया घटना से चलता है। वहां मजनूं नाम के एक लुटेरे व नशेड़ी को ढाका विश्वविद्यालय की एक छात्रा से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारी ने मीडिया में जो बयान जारी किया, उसके मुताबिक, मजनूं का यह अपराध उसके पहले के अपराधों की तुलना में ज्यादा गंभीर है। उसने इससे पहले क्या अपराध किया था? पता चलता है कि इससे पहले भी उसने कई गरीब और दिव्यांग लड़कियों के साथ यही घृणित अपराध किया था। पुलिस अधिकारी शायद यह कहना चाह रहे हों कि एक के बाद अपराध करने के कारण मजनूं का जुर्म ज्यादा गंभीर है। यह सही हो सकता है, लेकिन पुलिस अधिकारी के बयान से इसका भी आभास मिलता है कि एक पढ़ी-लिखी लड़की के साथ यौन अपराध गंभीर मामला है। जिस समाज में पुलिस-प्रशासन के उच्च पदों पर आसीन लोग तक स्त्री के खिलाफ अपराधों में फर्क करते हैं, उस समाज में महिलाओं को न्याय दिलाना बहुत आसान नहीं है। यह मानने का कारण है कि गरीब, मजबूर और साधनहीन महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के प्रति प्रशासन-व्यवस्था का रवैया अमीर, पढ़ी-लिखी और प्रभावशाली महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों से भिन्न होता है। उसे कौन समझाए कि यौन अपराध चाहे किसी के भी साथ हो, घृणित और निंदनीय है, और ऐसे हर मामले में पुलिस-प्रशासन का रवैया एक जैसा होना चाहिए। लेकिन जिस बांग्लादेश में समाज निरंतर कट्टरता की ओर जा रहा है, जहां लड़कियों, स्त्रियों के प्रति रोज ही नए दिशा-निर्देश जारी होते हैं, वहां यौन अपराधों के खिलाफ एक जैसी सख्ती और प्रतिबद्धता की उम्मीद करें भी, तो कैसे! वहां के स्कूली पाठ्यपुस्तक में सलवार-कमीज और दुपट्टे में एक लड़की की तस्वीर छापकर कहा गया है कि यही लड़कियों की उपयुक्त पोशाक है। आगे इसमें कारण बताते हुए कहा गया है कि शारीरिक बदलावों के कारण बड़ी होती लड़कियों को झुककर चलना पड़ता है। लेकिन कमीज पर दुपट्टा रख लेने से वे सीधा होकर चल सकेंगी।

यह तो एक नमूना है। आने वाले दिनों में बुर्के वाली महिलाओं की तस्वीर छापकर बताया जाएगा कि महिलाओं के लिए यही उपयुक्त पोशाक है। बांग्लादेश के समाज में कट्टरवादी सोच के साथ कट्टरवादी पोशाकों के प्रति रुझान जिस तरह बढ़ता जा रहा है, उसमें लगता नहीं है कि बुर्के पर जोर देने का कोई विरोध होगा। पूछा जाना चाहिए कि शरीर में बदलाव होने पर लड़कियों को शर्मिंदा क्यों होना चाहिए? और अतिरिक्त कपड़ा या पर्दा इसका हल क्यों होना चाहिए? क्या पुरुषों के शारीरिक बदलाव के बारे में भी यही तर्क दिया जाता है? हैरानी की बात यह है कि इस तरह के तर्क मौजूदा 21वीं सदी में भी दिए जा रहे हैं। इन कट्टरवादियों का तर्क यह भी है कि मर्यादा और गरिमा में रहने वाली लड़कियों, स्त्रियों के साथ अपराध कम होते हैं। जाहिर है, यह कुतर्क ही है। स्त्रियों पर होने वाले अपराधों को कम करने के लिए महिलाओं का पर्दे और बुर्के में ढका रहना जरूरी नहीं है। बल्कि ज्यादा जरूरी यह है कि पुलिस-प्रशासन चुस्त-दुरुस्त हो, और समाज में स्त्रियों के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास हो।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

गर्ल्स स्कूल के पास आवारा मनचलों का जमावड़ा, पुलिस बेखबर

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर का एकमात्र गर्ल्स हाई सेकेंडरी स्कूल में सिवनी मालवा सहित क्षेत्र के दूर दराज से छात्राएं कन्या शाला में पढ़ने आती हैं। कन्याशाला नगर के बीचो-बीच होने के कारण स्कूल के समय और स्कूल छूटने के बाद मनचले आवारा युवकों का जमावड़ा स्कूल के आजू-बाजू लगा रहता है वहीं चौक चौराहे पर खड़े हुए इन आवाराओं को कई बार इन छात्राओ के साथ बदतमीजी करते हुए और इन्हें भद्दे कमेंट्स करते भी देखा सुना जाता है। जिस और नगर की पुलिस का ध्यान नहीं होने के कारण आज इन आवर तत्वों के हौसले इतने बुलंद है कि आए दिन छेड़छाड़ की घटना होती रहती हैं मजबूरी में छात्राएं ना तो परिजनों को यह बात बतापाती हैं और ना ही किसी को कहती हैं नाम न छापने की शर्त पर छात्राएं बताती है कि भैया अगर हम इस बात को हमारे घर बताएंगे तो हमारी पढ़ाई भी छूट सकती है। कई बार तो इन मनचले छात्राओ के बाजू से फर्राटेदार गाड़ी निकल जाती है सड़कों पर इन मनचलों का इतना आतंक है कि तेज रफ्तार में स्कूली समय में इनको गाड़ी भागाते हुए भी आसानी से देखा जा सकता है। लेकिन सिवनी मालवा की पुलिस प्रशासन और स्थानी प्रशासन के अधिकारियों को चाहिए कि गर्ल्सस्कूल और कॉलेज के छात्राओं को स्कूली समय पर पुलिस को शादी वर्दी में तैनाती करना चाहिए जिससे कि इन आवर तत्वों के लोगों पर लगाम लगाई जा सके।

उपसंचालक लोक शिक्षण ने किया स्कूलों का निरीक्षण

सिवनीमालवा कार्यालय संयुक्त संचालक नर्मदापुरम उप संचालक निर्मल केलिव, एवं सहायक संचालक रत्ना जैन द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघवाडा, शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बानापुरा, शासकीय नवीन हाई स्कूल सिवनी मालवा का आकस्मिक निरीक्षण कर प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण कक्षा एवं कार्यालय तथा विद्यालय के व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। तथा कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया कक्षा नौवीं एवं दसवीं में अभ्यास प्रश्न पत्र हल करने के संबंध में विद्यार्थियों एवं प्राचार्य सुरेंद्र कुमार पाटिल से भी विस्तृत जानकारी ली गई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघवाड़ा के प्राचार्य सुनील कुमार झरानिया से आईसीटी लैब, प्रयोगशाला कक्षा तथा सीसीएलई की गतिविधियों के बारे में भी पूछा गया।

नर्मदापुरम जिले में स्वच्छ सर्वेक्षण में मिला

सिवनी मालवा नपा को प्रथम स्थान 5 राज्यों में 32 वें स्थान पर शहर

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद सिवनी मालवा द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में भाग लिया गया जिसमें परिषद एवं नपा अध्यक्ष रितेश जैन के नेतृत्व एवं विशेष प्रयासों से स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं कार्य कराए गए जिसमें स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में देश के बेस्ट जोन में 25 से 50 हजार जनसंख्या वाले शहरो में सिवनी मालवा शहर नर्मदापुरम जिले में प्रथम स्थान एवं वेस्ट जोन(मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र,गुजरात,राजस्थान)में 32 वे स्थान पर रहा। इससे पहले स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में सिवनी मालवा वेस्ट जोन में 80 वे स्थान पर था जो की उच्चतम रैंकिंग प्राप्त करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में 32 में स्थान पर आ गया यह निकाय की लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है ।

जिसमें नपा अध्यक्ष रितेश जैन ने सिवनी मालवा शहर को जिले में प्रथम स्थान एवं पांच राज्यों में 32 बार स्थान प्राप्त करते हुए उच्चतम रैंकिंग प्राप्त करने के अवसर पर निकाय के सभी सफाई कर्मचारीयो, अधिकारियों, सभी नागरिकों एवं पत्रकारों, समस्त परिषद को बधाई देते हुए सभी को शुभकामनाएं दी एवं बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मनसानुसार स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण में अनोको कार्य किए गए ।

जिसमें सर्वप्रथम कचरा रखने हेतु घर-घर में डस्टबिन वितरित किए गए,घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था हेतु दो नए वाहन क्रय किए गए,प्रतिदिन दिन एवं रात को मिलाकर दो बार सफाई, कचरे से होने वाली बीमारियों के बचाव के लिए विशेष सफाई अभियान,पुराने डंप साइट पर पड़े कचरे के प्रबंधन हेतु टेंडर प्रक्रिया,दमाडीया ठोस अपशिष्ट प्रबंधन भूमि पर आवागमन हेतु सड़क निर्माण एवं सभी प्लांट का संचालन,कचरे से जैविक खाद का निर्माण एवं विक्रय,शहर में सभी सार्वजनिक शौचालयो का संचालन,शहर के सभी वार्डों में साफ एवं स्वच्छ सड़क नाली निर्माण, सेप्टिक टैंक से निकलने वाले माल का उचित प्रबंध कर फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से प्रबंधन,व अन्य कार्य कराए गए एवं सिवनी मालवा ओडीएफ प्लस प्लस,कचरा मुक्त शहर हेतु स्टार रेटिंग में 1 स्टर रेटिंग प्रमाणीकरण प्राप्त किया गया जिससे शहर को अधिकतम अंक प्राप्त हुए एवं सभी नागरिकों के द्वारा भी पूरी तरह से सहयोग करते हुए अपना सकारात्मक फीडबैक दिया गया । इस वर्ष भी स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में निकाय और आगे बढ़ाने हेतु प्रयास करेगी ताकि शहर को टॉप रैंकिंग एवं शहर को स्वच्छ सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने हेतु निम्न प्रयास किए जाएंगे जिसमें शहर से निकलने वाले कचरे को 100त्न संग्रहण,नई कॉलोनी में कचरा संग्रहण हेतु 4 नए वाहन क्रय व्यवस्था, 6 स्थान पर सुपर डीलक्स सार्वजनिक शौचालय का निर्माण, मुक्तिधाम एवं पिपरिया कला रोड, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन भूमि दमाडीया पर पड़े पुराने कचरा का प्रबंध एवं सौंदर्यकरण ,शहर से निकलने वाले कचरे को दमाडीया ठोस अपशिष्ट प्रबंधन साइड तक पहुंचाने की व्यवस्था हेतु ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण,शहर के किराना सब्जी बाजार,बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन, अस्पताल आदि सार्वजनिक स्थानों पर दो बार कचरा संग्रहण एवं विशेष सफाई व्यवस्था,शहर के पूरे कचरे को एक जगह एकत्रित कर डंपर के माध्यम से दमाडीया पहुंचने की व्यवस्था ताकि समय की बचत हो सके।

शहर के सभी पार्कों,मुक्तिधाम से निकलने वाले गीले कचरे का उसी स्थान पर प्रबंधन की व्यवस्था, वह अन्य कार्य करवाए जाएंगे ताकि आगामी सर्वेक्षण में शहर को उच्चतम रैंकिंग प्राप्त हो सके। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल भलावी ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की गाइडलाइन अनुसार हमने कार्य किया जिसमें हमें कचरा मुक्त शहर हेतु स्टार रेटिंग में वन स्टार एवं ओडीएफ प्लस का प्रमाणी करण के साथ-साथ स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में उच्चतम रैंकिंग प्राप्त हुई।

सोहागपुर जनपद में की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

सीईओ जिला पंचायत ने दिए ग्राम पंचायतों को स्वच्छ रखने के निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजान सिंह रावत द्वारा 15 जनवरी 2024 को जनपद पंचायत सोहागपुर में ग्रामीण विकास अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की ग्राम पंचायतवार समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत श्री रावत द्वारा मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन एवं ग्राम पंचायत द्वारा अधिरोपित किए जाने वाले विभिन्न करों की वसूली के संबंध में समीक्षा की गई । ग्राम पंचायत को निर्देश दिए गए की यदि ग्राम पंचायत में गंदगी दिखती है तो यह पंचायत की विफलता मानी जाएगी उन्होंने ग्राम पंचायत सेमरी हरचंद का उदाहरण देते हुए यह भी समझाया कि जिस प्रकार सेमरी हरचंद के सचिव रोजगार सहायक द्वारा प्रयास कर सेमरी हरचंद को स्वच्छ रखा जाता है। इस तरह अन्य ग्राम पंचायतें भी स्वप्रेरणा से साफ सफाई की व्यवस्था करें योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास के तहत पूर्व वर्षों के स्वीकृत अपूर्ण आवास को आगामी सप्ताह में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही नवीन स्वीकृत आवासों को भी यथा शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मनरेगा योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत सोहागपुर की प्रगति खराब होने के कारण विभिन्न ग्राम पंचायत के रोजगार सहायकों एवं सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए ग्राम पंचायत सोसारखेड़ा, सांखला, चांदी खेड़ी, कोहानी, सांखला के ग्राम रोजगार सहायकों को 7 दिवस के भीतर मनरेगा योजना के लक्षित लेबर बजट का 20प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए गए अन्यथा की स्थिति में इन पंचायत की सचिव एवं रोजगार सहायकों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई मनरेगा अंतर्गत सभी श्रमिको को आधार आधारित भुकतान किये जाने के निर्देश दिए गए। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया गया की मात्रा खुले से शौच मुक्त किया जाना ही स्वच्छता का उद्देश्य नहीं है ग्राम पंचायत में ठोस एवं तर अपशिष्ट का उचित निपटान हो सके इसकी संपूर्ण व्यवस्था ग्राम पंचायत को करना होगी। यदि राज्य स्तर अथवा अन्य वरिष्ठ स्तर से ग्राम पंचायत का भ्रमण किया किया जाता है एवं इस दौरान यदि ग्राम पंचायत में गंदगी मिलती है तो संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई होगी बैठक में 22 जनवरी को आयोजित होने वाले विभीन्न कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई । बैठक में सीईओ जनपद पंचायत सोहागपुर संजय अग्रवाल, ज़िला पँचायत के परियोजना अधिकारी योगेंद्र राय, अभिषेक तिवारी, शैलेश ऊके, प्रीति बरकड़े जनपद पंचायत के सहायक यंत्री उपयंत्री व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लापरवाही करने वाले सचिव रोजगार सहायकों के विरुद्ध कार्यवाही के दिये निर्देश

सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एन सी सी कैडेट्स ने जागरूकता रैली निकालकर नुक्कड़ नाटक किया

नर्मदापुरम। नर्मदा कॉलेज में सोमवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एनसीसी इकाई के द्वारा रैली का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने स्वागत उद्बोधन में यातायात के नियमों का पालन करने के साथ स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। तत्पश्चात उन्होंने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सतरस्ता पर एन सी सी कैडेट्स द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर के सड़क सुरक्षा पर आमजन को जागरूक किया गया। जिसमें हेलमेट का उपयोग, ट्रैफिक सिग्नल का पालन और गति नियंत्रण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम संयोजक एन सी सी प्रभारी डॉ यास्मीन खान ने बताया कि सड़क सुरक्षा सप्ताह प्रतिवर्ष लोगों में जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदार तरीके से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। वहीं डॉ एन आर अडलक ने कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच सड़क सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने और सड़क दुर्घटना के मामलों को कम करना बताया। इस अवसर पर यातायात परिवहन की अधिकारी सुश्री निशा चौहान एवं अन्य, डॉ हंसा व्यास डॉ ईरा वर्मा, डॉ सुनील दिवाकर,राजीव द्विवेदी, प्रियंका राय,कुमकुम साहिल तिलोटिया, रश्मि बनवारी, प्रियांबिका जाट, स्तुति, बृजेश, अजय, साहिल बरेले, अभिषेक भगवान, सुमित,प्रीत, रौशनी दायमा सहित अत्यधिक संख्या में विद्यार्थी और प्राध्यापक उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद ने सेवा बस्ती में मकर संक्रांति पर तिल लड्डु बांटे

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

मकर सक्रांति उत्सव के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद द्वारा स्थानीय सेवा बस्ती में पूज्य संतों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में सेवा बस्ती के बच्चों को तिल गुड़ लड्डुओं का पतंग का वितरण कर बस्ती वासियों के बीच मनाया उत्सव।

समरसता का महापर्व मकर सक्रांति जिसको विश्व हिंदू परिषद समरस भाव को जगाने समाज के बीच कार्यक्रम कर उत्सव मनाता है। मकर सक्रांति उत्सव के अवसर पर तहसील कार्यालय के सामने स्थित सेवा वस्ती में उत्सव कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री शिव राठौर के मार्गदर्शन एवं मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन भाजपा पूर्व मंडी उपाध्यक्ष महेश गोयल पार्षद डा किरण राठौर पूर्व पार्षद पुष्पेंद्र सिंह बुंदेला बीआरएचसी ग्रुप ईश्वर विश्नोई विश्व हिंदू परिषद जिला सह मंत्री सनुप सिंह यदुवंशी बजरंग दल जिला सह संयोजक सतीश बकोरिया महेंद्र नामदेव संजय पंवार सुशील शर्मा आदि अतिथियो ने भगवान श्री रामचंद्र जी की पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया बस्ती वासियों ने सभी मंचासिन अतीथिओ का पुष्प हार माला पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने संबोधित करते हुए कहा की मकर संक्रांति को शुभता और नवचेतना का प्रतीक पर्व माना जाता है इसे उत्तरायण पर्व भी कहा जाता है। भीष्म पितामह ने अपने प्राण त्यागने के लिए इसी शुभ दिन को चुना था।नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने कहा की 22 जनवरी को रामलाला विराजमान होने जा रहे है पूरा देश राममय हो चुका है। पूर्व मंडी उपाध्यक्ष महेश गोयल ने कहा की हिंदू धर्म के उत्सव में मनोरंजन विज्ञान धर्म दिशा दशा होती है हमारे उत्सव समाज को एकसूत्र में बांधने का काम करते है।

नर्मदा कॉलेज के विद्यार्थियों ने मकर संक्रांति पर तिल गुड़ खाने के वैज्ञानिक महत्व को समझा

नर्मदापुरम। नर्मदा कॉलेज में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को सूर्य उत्तरायण एवं दक्षिणायन स्थिति को स्मार्ट बोर्ड द्वारा यूट्यूब के माध्यम से दिखाया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भौगोलिक घटनाओं को जानने के साथ उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना और विज्ञान व तकनीक से जोड़ना रहा। विद्यार्थियों ने घटनाक्रम को जाना और जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कार्यक्रम के संरक्षक प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने विद्यार्थियों को बताया कि उत्तरायण यानी सूर्य का उत्तर दिशा की ओर गमन करना। इस कारण मकर संक्रांति के पर्व को उत्तरायण पर्व के नाम से भी जाना जाता है इसका अर्थ है अब ठंड कम और दिन बड़े होने लगते हैं।यह अंतरिक्ष विज्ञान के साथ ज्योतिष विज्ञान के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण और ऋतु चक्र परिवर्तन की बेला मानी जाती है। कु शबनम कुरेशी ने बताया कि छात्रों ने जाना सूर्य आराधना पर्व को विभिन्न प्रदेशों में,मकर संक्रान्ति , पोंगल और लोहड़ी आदि रूपों में मनाया जाता है। तिल गुड़ खाने के भारतीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझा।कार्यक्रम में डॉ एस के दिवाकर ,शबनम कुरैशी, चिराग झामडे, राजीव द्विवेदी, वरुण तिवारी, सुमित, आलोक, सरगम, मनोहर आदि छात्र उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

नर्मदा जयंती महोत्सव एवं रामजी बाबा मेला की तैयारियों के संबंधमें बैठक आयोजित

नर्मदा जयंती महोत्सव: सेठानी घाट पर होगा आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में मां नर्मदा जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम 16 फरवरी की सायं सेठानी घाट पर आयोजित होगा। सुप्रसिद्ध रामजी बाबा मेला 22 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित होगा। नर्मदा जयंती महोत्सव एवं रामजी बाबा मेला की तैयारी के संबंध में सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव, उपाध्यक्ष अभय वर्मा, पीयूष शर्मा, महेंद्र यादव, आचार्य गोपाल प्रसाद खड्डर तथा कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, सीईओ जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य नगरपालिका अधिकारी नर्मदापुरम नवनीत पांडे ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्य कार्यक्रम में जल मंच का निर्माण किया जाएगा। बैठक में जल मंच के निर्माण, विस्तार एवं उसकी सुरक्षा के संबंध में विस्तार चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि जलमंच की सुरक्षा के दृष्टिगत जे टी खरीदीने के लिए नगरपालिका नर्मदापुरम द्वारा निविदा आमंत्रित की जाएगी।

बैठक में एमपीईबी को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम स्थल पर विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से संचालित की जाए। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जेनरेटर भी रहें। एमपीईबी द्वारा सेठानी घाट पर कंट्रोल रूम का भी संचालन किया जाए। निर्णय लिया गया कि आतिशबाजी इस बार केवल जोशीपुरा घाट से की जाएगी। नर्मदा जयंती पर यातायात व्यवस्था के लिए व्यवस्थित ट्रैफिक प्लान भी तैयार किया जाएगा। परंपरा अनुसार मुख्य समारोह के लिए प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी को आमंत्रित किया जाएगा। रामजी बाबा मेला की तैयारीयों के संबंध में कलेक्टर सुश्री मीना ने सीएमओ नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि पारदर्शी प्रक्रिया से दुकानों का आवंटन समय पर किया जाए। 22 फरवरी से पूर्व दुकानों का आवंटन सुनिश्चित करें। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देश दिए की मां नर्मदा जयंती महोत्सव एवं रामजी बाबा मेला के लिए सभी अधिकारी सौपे गए दायित्वों का गंभीर्तिपूर्वक क्रियान्वयन करें। उन्होंने नर्मदा जयंती महोत्सव एवं रामदेव बाबा मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्थानीय कलाकारों के साथ संस्कृति विभाग के साथ समन्वय करने के भी निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ श्री पांडे द्वारा जलमंच के निर्माण, बैठक व्यवस्था, घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, मुख्य अतिथि महोदय के सर्किट हाउस से लेकर कार्यक्रम स्थल पर आने इत्यादि बिंदुओं पर जानकारी दी गई।

गणतंत्र दिवस समारोह की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाए

कलेक्टर ने बैठक में गणतंत्र दिवस की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा कर सभी विभागों द्वारा किए कार्यों की जानकारी ली। कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, ग्राउंड का समतलीकरण, अतिथियों की बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, झाकियों का प्रदर्शन इत्यादि की आवश्यक तैयारियां समयसीमा में करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देश दिए कि विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं पर केंद्रित आकर्षक झाकियों का प्रदर्शन किया जाएं।

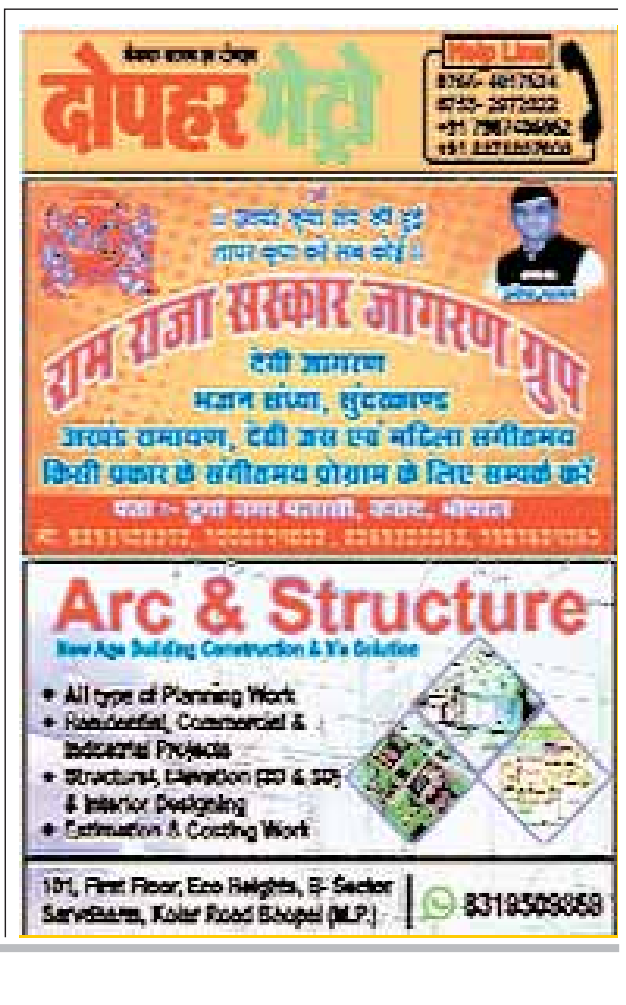

विकसित भारत संकल्प यात्रा

अधिकारी सुन लें गांव का सरपंच ही गांव का विधायक है : हरिसिंह सप्रे

पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ: विधायक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को ग्राम पंचायत बरेज, हरनाखेड़ी, रूसल्ली घाट में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची। जिसमें कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, शामिल हुए उनकी मौजूदगी में पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया गया ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं संबंधित आवेदन भी दिए जिनका निराकरण मौके पर करवाया साथ ही ने ग्रामीण ने गांव -गांव अवैध रूप से शराब बिकने की शिकायत की तो विधायक ने मौके पर ही पुलिसकर्मियों को मंच से ही फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तत्काल अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर कार्रवाई करके इस कारोबार को बंद नहीं करवाया तो अच्छा नहीं होगा क्योंकि गांव-गांव अब शराब देखने के कारण विवाद की स्थिति पैदा हो रही गांव का माहौल भी दूषित होता जा रहा युवा पीढ़ी का भविष्य भी अंधकार में जा रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं हितलाभ दिलाने का कार्य मौके पर ही केंद्र प्रदेश सरकार के द्वारा करवाया जा रहा है। नहीं तो एक समय जब कांग्रेस की सरकार है हुआ करती थी तब कागजों में योजनाएं बनती थी और भाई खत्म हो जाती थी अब हमारी सरकार आपके द्वार पर आकर योजना का लाभ दिलाने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश का मन पूरे विश्व में स्थापित किया जा रहा है देश और प्रदेश आत्मनिर्भर बन रहा है। प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव के द्वारा प्रदेश को नई पहचान दिलाने के लिए काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश को बीमा विराज से मुक्ति दिलाई हर वर्ग कल्याण के लिए योजनाएं चल रही है पहले से भी जो योजना चल रही है, उनको भी बंद नहीं किया जाएगा रामराज स्थापित हो रहा है।

बरेज पटवारी की सहाना तो रुसल्ली घाट पटवारी को लगाई फटकार

कार्यक्रम के दौरान सबसे ज्यादा शिकायते रूसल्ली घाट पंचायत में देखने को मिली जहां पर सैकड़ो की संख्या अधिकारियों की शिकायत करने ग्रामीण इकट्ठे हुए थे। शिकायती आवेदनों में भी सबसे अधिक शिकायत राजस्व संबंधी निकली। जिस पर विधायक श्री सप्रे ने हल्का पटवारी सुधीर जैन को मंच पर ही फटकार लगाते हुए कहा की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंच पर मौजूद नायब तहसीलदार से कहा की आप सभी पटवारीयों की निगरानी करिए यदि पटवारी लापरवाही बरत रहे हैं, तो कार्रवाई होनी चाहिए पात्र हितग्राही किसी भी स्थिति में छूटना नहीं चाहिए।

जिम्मेदार पद अनुसार कार्य का निर्वाहन करें

उन्होंने पंचायत सचिव, पटवारी, रोजगार सहायक, तहसीलदार सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता परेशान ना हो इसके लिए अधिकारी योजनावद तरीके से कार्य करें। वही उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधि और अधिकारी सब जनता की सेवा के लिए ईमानदारी पूर्वक अपने पद अनुसार कार्य का निर्वहन करें। वही कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राकेश रघुवंशी, अरविंद रघुवंशी, आदि मौजूद थे।

बरेज में पुलिस पर बरसे विधायक

संकल्प यात्रा के दौरान बरेज के ग्रामीणों ने शराबबंदी को लेकर एक आवेदन सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि गांव में अवैध रूप से कई जगह पर शराब की बिक्री की जा रही है। पुलिस से बार-बार शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है उल्टा पुलिस के कुछ कर्मचारी हम पर ही झूठा केस लगाने की धमकी देते हैं। जिस पर कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने मंच से ही तत्काल अधिकारियों को हद में रहने की हिदायत देते हुए कहा कि यदि ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी हुई तो पुलिस अधिकारी सुन ले लाइन में बैठे मिलेंगे। वही उन्होंने पथरिया थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि 24 घंटे के अंदर अवैध रूप से शराब बेच रहे इन शराब माफियाओं पर कार्रवाई होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने अन्य विभागीय अधिकारियों से ग्रामीणों कीं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन विधायक हुए शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के नागरिकों की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदलने के लिए नौं गारंटी तय की है यह हम सबका कर्तव्य है कि हम सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करें और अधिकारी कर्मचारी जिम्मेदारी से पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ मिल सके इसके प्रयास करें। आमतौर पर वास्तविक हितग्राहियों को जानकारी के अभाव में परेशान होना पढ़ता है सभी विभाग अपनी संबंधित योजनाओं के लिए समाधान खिड़की प्रारंभ करें ओर समय पर आम आदमी को योजन का लाभ मिल सके। यह बात भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा ने सोमवार को छत्री चौराहे पर आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कही। सोमवार को मकर सक्रांति पर्व पर शासकीय रूप से आयोजित कार्यक्रम में जनता के लिए सभी विभागों से संबंधित काउंटर लगाकर हितग्राहियों मूलक समस्याओं के समाधान के लिए कर्मचारी तैनात किए गए थे। विधायक उमाकांत शर्मा ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए इन सभी से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए मोदी जी की नौ गारंटियों के बारे में भी विस्तार से कार्यक्रम में उपस्थित जनता जनार्दन को समझाया। उन्होंने अधिकारियों से गंभीरता पूर्वक विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान सफल बनाने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव लगातार केंद्र एवं प्रदेश सरकार इस दौरान उन्होंने खेल में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले स्कूली खिलाड़ियों, शहरी आजीविका मिशन में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को सम्मानित करते हुए पीएम स्वनिधि योजना से स्वीकृत लाभान्वित हितग्राहियों को पत्रको का वितरण भी किया। संचालन जनभागीदारी अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने एवं आभार सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा नेता रमेश यादव, हरिबाबू भार्गव, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ, सचिन शर्मा, बलजीत यादव, आदि के साथ जनप्रतिनिधि, भाजपा संगठन के पदाधिकारी एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का मजाक उड़ाते खाद्य विभाग के अधिकारी

अधिकारियों को किसी का भय नहीं जिससे इनके हौसले बुलंद!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ अधिकारी अपने अधिनस्थ भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी को कैसे बचाता है,यह मामला उस वक्त सामने आया जब सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 19,1 के तहत की गई प्रथम अपील के संदर्भ में प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये पत्र के प्राप्त होने पर पता चला की किस तरह से सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का अधिकारीयों द्वारा मजाक उड़ाया जाता है। उसकी बानगी उस वक्त देखने को मिली जब प्रथम अपीलीय अधिकारी ने अपने अधीनस्थ लोक सूचना अधिकारी की तरह ही रटा रटाया सा जब लिख कर भेज दिया जो कि इनकी लापरवाह कार्यप्रणाली को दर्शाता है। मामला गंज बासौदा ब्लाक खाद्य विभाग का है, जहां से आर टी आई कार्यकर्ता सुरेन्द्र पस्तोर द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत कनिष्ठ खाद्य अधिकारी से जानकारी चाही गई कि उन्होंने अपनी पदस्थ स्थापना से सूचना का अधिकार के पत्र प्राप्ति की दिनांक तक अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाली शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का निरीक्षण किया

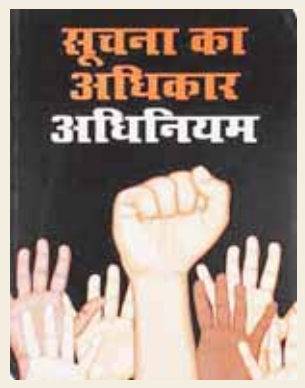

वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थ भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी को कैसे बचाता है?

और जिन शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में निरीक्षण के दौरान त्रुटि या कमी पायीं गई एवं जांच प्रतिवेदन, मौके पर बनाये गये पंचनामा सहित बरिष्ठ अधिकारीयों को कार्यवाही हेतु लिखे गए पत्र की दैनिक डायरी सहित जानकारी उपलब्ध कराये। लेकिन खाद्य विभाग द्वारा जानकारी उपलब्ध कराने की जगह एक पत्र प्रेषित किया जाता है कि चाही गई जानकारी स्पष्ट नहीं लिखी इस लिये उपलब्ध नहीं कराई जा सकती है, उक्त पत्र प्राप्त होने के उपरांत आवेदक द्वारा प्रथम अपील एसडीएम को समय सीमा में रजिस्टर्ड डांक से प्रेषित की जाती है जिसके संदर्भ में जिला खाद्य अधिकारी विदिशा का पत्र क्रमांक क्यू -11 खाद्य -सू.अधि-2023-2024 विदिशा दिनांक 08.01.2024 को पत्र प्राप्त होता है। जिस में कहा गया है कि चाही गई जानकारी में समय अवधि का स्पष्ट उल्लेख नहीं होने के कारण जानकारी दिया जाना संभव नहीं है।अब यहां एक बात स्पष्ट हो जाती है कि आर टी आई कार्य कर्ता द्वारा जो जानकारी खाधय विभाग से चाही गई है या तो इनके पास है नहीं और यदि जानकारी है तो उसे इस लिए नहीं दिया जा रहा है कि उसमें जरूर गड़बड़ झाला है और यह लोग नहीं चाहते कि वह सबके सामने आये। वरना जानकारी उपलब्ध कराने में इन्हें कोई कष्ट नहीं होना चाहिये था। आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा चाही गई जानकारी स्पष्ट शब्दों में लिखी होने के बाद भी गुमराह पूर्ण पत्र जारी कर भ्रमित करने का प्रयास किया गया। क्योंकि जब किसी अधिकारी को जानकारी नहीं देना होती है तब वह इस तरह पत्र प्रेषित कर गुमराह करते हैं।

धूप निकलने के बाद फसलों में भी आई रौनक दिन में सर्दी गायब सुबह शाम ही ठंड का असर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

तीन दिनों से मौसम साफ होने के बाद सूर्य देवता के दर्शन हो रहे हैं। इस वजह से फसलों में भी चमक देखने को मिल रही है, क्योंकि लगातार मौसम खराब होने के कारण सूर्य देवता के दर्शन 12 दिनों तक नहीं होने के कारण फसले मुरझा गई थी उन में भी रौनक आने लगी है वैसे इस साल बारिश कम होने के कारण पानी के लिए परेशानी हो रही है। दूसरी ओर मौसम खराब होने के कारण फसले भी प्रभावित होने लगी थी पर मौसम साफ होते ही फसलों खेतों में लहराने लगी है। संक्रांति के साथ सूरज के उत्तर दिशा में होने पर दिन भी बड़े होने लगे हैं। इस वजह से आने वाले दिनों में फसले और भी अच्छी दिखाई देने लगेगी। कड़ाके की सर्दी का सितम रुक गया है तीन दिनों से सूरज के दर्शन होने से दिन में सर्दी का एहसास भी नहीं हो रहा है। बस सुबह शाम ही सर्दी जरूर पड़ रही है अभी दिन में तो गर्म कपड़ों की आवश्यकता भी नहीं हो रही है नहीं तो पहले गर्म कपड़े पहनने के बाद भी सर्दी के कारण घरों से निकलना मुश्किल हो रहा था अब ठंड एकदम से कम हो गई है।

आजीविका मिशन में फैला हुआ भ्रष्टाचार डीपीएम के संरक्षण में खूब फलफूल रहा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आजीविका मिशन में फैले हुऐ भ्रष्टाचार की डी पी एम विदिशा को होने के बाद भी वह खामोश है। क्योंकि डी पी एम भ्रष्टाचार में लिप्त आजीविका मिशन प्रबंधन जनपद पंचायत बासौदा के विरुद्ध कार्यवाही करने की जगह संरक्षण दे रहे हैं। जबकि दैनिक समाचार पत्रों के द्वारा आजीविका मिशन जनपद पंचायत बासौदा द्वारा वर्ष 2019-2020 में गणवेश वितरण में गड़बड़ी करके किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक प्रकार समाचार प्रकाशित किये लेकिन किसी भी समाचार को डी पी एम विदिशा द्वारा गंम्भीरता पूर्वक नहीं लिया गया,जिस की वजह से आजीविका मिशन प्रबंधन जनपद पंचायत बासौदा के हौसले बुलंद हैं। आजीविका मिशन में किया गया भारी भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं है। जिला आजीविका मिशन कार्यवाही करना तो बहुत दूर की बात है जांच तक नहीं करवा सका क्योंकि अगर जांच होगी तो सब की पोल खुल जायेगी, भ्रष्टाचार भी तो जिला आजीविका मिशन के संरक्षण में फल-फूल रहा है। अब डीपी एम यदि कार्यवाही करें भी तो किस के खिलाफ करें।

NRLM
आजीविका मिशन जनपद पंचायत गंज बासौदा

पीएम का विजन देश का हर परिवार सशक्त हो : केन्द्रीय मंत्री खटीक

पीएम जनमन मिशन के हितग्राही को हितलाभ का वितरण

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) पीव्हीटीजी मिशन के तहत आज जिले की सहरिया जनजाति वर्ग के समुदायों व नागरिकों को केन्द्रीय योजनाओं के तहत हितलाभ का वितरण किया गया है। विदिशा के रविन्द्र नाथ टैगोर संस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री वीरेन्द्र कुमार खटीक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि देश का हर परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो, सभी समुदाय के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं निवास स्थलों पर ही प्राप्त हो, उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधाओं का सामना ना करना पडे को ध्यानगत रखते हुए वर्ग विशेषों के लिए पृथक-पृथक योजनाएं व कार्यक्रम संचालित कराए जा रहे है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की अतिपिछड़ी 75 जन जातियों के पुर्नउत्थान और बुनियादी आवश्यकताओं की शत् प्रतिशत पूर्ति के लिए चिन्हित जनजाति वर्ग के समुदाय व नागरिकों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी है इसके लिए अन्य योजनाओं से अधिक बजट का प्रावधान किया गया है जैसे सबको पक्का घर के लिए आवास योजना के तहत एक लाख रूपए प्रदाय किए जाते है जबकि उक्त योजना में एक लाख बीस हजार प्रदाय किए जाते है विदिशा जिले में चिन्हांकित अति पिछडी जनजाति सहरिया समुदाय के नागरिको के पुर्नत्थान हेतु संचालित योजनाओं के तहत लाभ दिलाया जाना है।

मेट्रो एंकर

मकर संक्रांति की रही धूम, बाबा विश्वनाथ के धाम देवपुर में उमड़ा जैन सैलाब

विधायक ने श्रद्धालुओं को बांटे प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण, केसरियामय हुई देवपुर नगरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को मकर संक्रांति का महापर्व नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में बड़े उत्सव पूर्वक मनाया, तीर्थ स्थल देवपुर धाम में एक दिन पहले से ही श्रद्धालुओं का पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था, विधायक उमाकांत शर्मा ने भी देवपुर धाम पहुंचकर पूजा अर्चना की ओर प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण पत्र भी श्रद्धालुओं को वितरित किए। देवपुर में मकर संक्रांति पर चारों तरफ भीड़ दिखाई दे रही थी मेले का आयोजन भी हुआ सबसे पहले श्रद्धालुओं ने पवित्र कुंड के स्नान किया फिर पूजा का दौर प्रारंभ हुआ जो देर शाम तक चलता रहा वहीं सबसे पहले डुबकी

गुड, तिल से बने लड्डुओं का लगाया भोग

लगाने का महत्व पर बताया गया इसलिए घरों पर पहले स्नान ध्यान करने के उपरांत पूजा अर्चना का दौर प्रारंभ हो गया था। नगर के सभी शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी भगवान की पूजा अर्चना व गुड, तिल के लड्डू तथा खिचड़ी का भोग लगाने के लिए भक्तों का ताता लगा रहा दर्शन के उपरांत दान पुण्य का महत्व भी मकर संक्रांति पर बताया गया है इसलिए लोगों ने दान पुण्य भी किया गया भीड़ के कारण मंदिरों में दर्शन में करने में भी समय लग रहा था जल अभिषेक के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना करके भगवान भोलेनाथ प्रसन्न करने के लिए प्रार्थना की।

घंटों इंतजार के बाद हुए दर्शन

तीर्थ धाम देवपुर में मकर संक्रांति पर स्नान के बाद बाबा विश्वनाथ स्वामी का अभिषेक व पूजा अर्चना करने के लिए एक दिन पहले से ही श्रद्धालुओं का भजन कीर्तन करते हुए पैदल पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था सोमवार को प्रातः काल से ही स्नान के बाद पूजा करने का दौर प्रारंभ हुआ तो देर शाम तक चलता रहा है। वही सुबह से यात्री बसों के साथ निजी वाहनों से श्रद्धालुओं का पहुंचने का दौर प्रारंभ हो गया था देखते ही देखते मंदिर परिसर के आसपास भीड़ नजर आने लगी थी भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन के द्वारा पहले से ही अलग-अलग कतारों में महिला पुरुषों को दर्शन करवा कर दूसरे रास्ते से बाहर निकलने का काम किया जा रहा था। भीड़ अधिक होने के कारण घंटो इंतजार के बाद दर्शन हो रहे थे। श्रद्धालुओं भोले की भक्ति में लीन होकर झूमते नाचते चल रहे थे पूरा मंदिर परिसर बाबा के जयकारों से गूंज रहा था। सबसे पहले कुंड के स्नान जल से स्नान करने का काम भी कई श्रद्धालुओं के द्वारा किया गया इसके उपरांत बाबा विश्वनाथ स्वामी का जलाभिषेक पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मेले भी लगा हुआ था जहां पर बच्चों के खेलने कूदने खाने-पीने से लेकर सभी तरह की दुकानें लगी हुई थी खरीदारी करने के लिए भीड़ भी देखने को मिली।

केसरिया रंग में रंग देवपुर

देवपुर धाम का उत्सव दोपहर के बाद और बढ़ गया जब विधायक उमाकांत शर्मा भगवान श्री राम एवं श्री कृष्ण की बड़ी तस्वीर लेकर केसरिया रंग के वस्त्र धारण करके भजन कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे इसके बाद उन्होंने मेला परिसर में श्रद्धालुओं के साथ मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए खिचड़ी की प्रसादी का वितरण भी किया दूसरी ओर 22 जनवरी को अयोध्या धाम में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण पत्र सौंपते हुए कहा कि सभी लोग एक बार फिर दिवाली मनाया अपने घरों मंदिरों की साज सज्जा, दीपक जलाएं कर मिठाई का वितरण करें करके। इस दौरान हमीर सिंह, डॉ संजीव माथुर, रुपेश यादव,झार सिंह दांगी आदि मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी रहा उत्साह

मकर संक्रांति का त्योहार सबसे अधिक उत्सव पूर्वक ग्रामीण अंचलों में मनाया गया जहां पर सुबह सबसे पहले स्नान किया इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना खिचड़ी की प्रसादी खाने का महत्व बताया गया है। साथी साथी किसानों के द्वारा भगवान भोलेनाथ से अच्छी फसल आने की कामना की एवं विभिन्न तरह के लड्डू ओर खिचड़ी का भोग भगवान को अर्पित किया फिर स्वयं ने खाई इस दिन खिचड़ी और लड्डू खाने का महत्व विशेष रूप से बताया गया है।

हार के बाद वापसी के लिए भारत तैयार, सुनील छेत्री ने कहा - उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैच पर फोकस

नईदिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया 18 जनवरी को उज्बेकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में टीम को हार से बचना होगा। अगर टीम इंडिया जीत हासिल नहीं कर पाती है तो उसे कम से कम ड्रॉ पर मैच को समाप्त करना होगा। अगर टीम हारती है तो अगले दौर की उम्मीदें काफी कम हो जाएंगी। करिश्माई भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने एएफसी एशियाई कप के पहले मैच में मजबूत ऑस्ट्रेलिया से 0-2 की हार के बाद टीम के साथी खिलाड़ियों से उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैच पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। ब्लू टाइगर्स' ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम को पहले हाफ में गोलरहित बराबरी पर रोके रखा। विश्व कप 2022 के अंतिम 16 में पहुंचने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम ने हालांकि दूसरे हाफ में क्रेग इरविन (50 वां मिनट) और स्थानापन्न जॉर्डन बोस (73 वां मिनट) के गोल के दम पर जीत दर्ज की। टीम इंडिया 18 जनवरी को उज्बेकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में टीम को हार से बचना होगा। अगर टीम इंडिया जीत हासिल नहीं कर पाती है तो उसे कम से कम ड्रॉ पर मैच को समाप्त करना होगा। अगर टीम हारती है तो अगले दौर की उम्मीदें काफी कम हो जाएंगी। छेत्री ने एआईएफएफ वेबसाइट पर कहा, 'इस तरह के मैचों के अपने फायदे और नुकसान हैं। एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना आसान नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हम इस तरह की टीमों से खेलने के आदी नहीं हैं, क्योंकि हम अक्सर उनके खिलाफ नहीं खेलते हैं। आप इस तरह के मैचों से कुछ उम्मीद के साथ मैदान पर नहीं उतरते है।'

पहले मैच में गोल नहीं कर पाए थे सुनील

जानकारी के अनुसार साल 2005 में अपना करियर शुरू करने वाले भारतीय कप्तान अपने 93 गोलों की संख्या में इजाफा करने में असफल रहे, लेकिन उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान 18 जनवरी को उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैच पर है।

18 जनवरी को टीम इंडिया का मुकाबला उज्बेकिस्तान से

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने एक बार फिर टीम से कर दिया बाहर

वर्ल्ड चैंपियनशिप से टेस्ट टीम में वापसी करने वाले अजिंक्य रहाणे को किया ड्रॉप

मुंबई, एजेंसी

अजिंक्य रहाणे अभी रणजी ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं। आंध्रा के खिलाफ उनका खाता नहीं खुला लेकिन टीम को बड़ी जीत मिली। मैच के बाद रहाणे ने अपने बड़ा लक्ष्य बताए हैं। इसमें एक रणजी ट्रॉफी जीतना है। वर्ल्ड चैंपियनशिप से टेस्ट टीम में वापसी करने वाले रहाणे ड्रॉप हो चुके हैं।

अजिंक्य रहाणे पिछले 13 सालों से भारतीय क्रिकेट के मजबूत स्तंभ में शामिल रहे हैं। वह 85 टेस्ट मैच भी खेल चुके हैं। भले ही राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने उन्हें एक बार फिर टीम से बाहर कर दिया है लेकिन 2021 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज़ जीत हासिल करने वाले इस मध्यक्रम बल्लेबाज़ की वापसी की ललक कम नहीं हुई है। 100 टेस्ट खेलने और मुंबई के लिए एक और रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने की ख्वाहिश रखने वाले 35 वर्षीय रहाणे भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। मुंबई ने तीसरे दिन स्टंप तक पांच विकेट लिए और चौथे दिन के पहले सत्र में 10 विकेट से मुकाबले को अपने नाम कर लिया। यह रणजी इतिहास की सबसे सफल टीम की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले विराट के खिलाफ टीम पारी से जीती थी।

शानदार वापसी की थी

चयनकर्ताओं द्वारा पहले भी दरकिनार किए जा चुके रहाणे ने पिछले साल शानदार वापसी की थी। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद, उन्होंने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए टीम में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज थे। इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे पर भी टीम का हिस्सा थे। लेकिन फिर रहाणे को बाहर कर दिया गया। उन्होंने अभी तक वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। मुंबई के बीकेसी स्टेडियम में मुंबई के दूसरे राउंड के रणजी मैच के समापन के बाद रहाणे ने कहा, मेरा लक्ष्य रणजी ट्रॉफी जीतना और 100 टेस्ट मैच खेलने का बड़ा लक्ष्य दोनों हासिल करना है। मैं मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन करने और हर खेल को एक-एक कदम आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।

आंध्रा के खिलाफ नहीं खुला खाता

सीजन के अपने पहले मैच में आंध्रा के खिलाफ वह खाता नहीं खोल पाए। इसके बाद भी रहाणे की सूझबूझ वाली कप्तानी ने चौथे दिन की सुबह टीम को जीत दिला दी। हालांकि, सफलता का रास्ता चुनौतियों से भरा था। उन्हें फॉलोऑन देकर जीत हासिल करने के लिए गेंदबाजी रिसोर्स का रहाणे ने आंध्र को एक बार फिर बल्लेबाजी करने के लिए कॉल के बारे में कहा, यह निर्णय सहज था क्योंकि ऐसे अवसर बहुत कम आते हैं। आप स्थिति को पढ़ते हैं और सात अंकों के लिए जाते हैं क्योंकि यह भविष्य में आपके लिए मददगार होगा। आप नहीं जानते कि आगे के मैचों में विकेट कैसे होगा, परिस्थितियां कैसी होंगी, टीमें कैसे फॉर्म में होंगी। आपको कभी नहीं पता होगा कि क्या हो वाला है। इसलिए मुझे कल लगा कि अगर गेंदबाज खुद को आगे बढ़ाएंगे और अगर हम दो-तीन शुरुआती विकेट ले लेंगे तो हमारे लिए जीत आसान हो जाएगा।

पेरिस ओलंपिक: अमेरिका से हारे थे पिछला मैच

आज इटली पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी भारतीय टीम

नईदिल्ली, एजेंसी

पहला मैच गंवाने के बाद दूसरे मैच में जीत दर्ज करके अपना अभियान पटरी पर लाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम इटली की आज कम रैंकिंग वाली टीम पर बड़ी जीत दर्ज करके एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालिफायर के सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारत की टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे पूल बी के अपने पहले मैच में 12वें रैंकिंग वाले अमेरिका से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। एशियाई खेलों के जरिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम के पास इस साल होने वाले ओलंपिक खेलों में जगह बनाने का यह आखिरी मौका है। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करेंगी। अमेरिका दो मैच में जीत दर्ज करके पूल बी में शीर्ष पर है जबकि भारत और न्यूजीलैंड के तीन-तीन अंक हैं। गोल अंतर में हालांकि भारतीय टीम न्यूजीलैंड से पीछे है।

भारत पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर

जीत के साथ ही भारतीय टीम टेबल में तीसरे नंबर पर आ गई है। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उसे टॉप-2 में आना होगा। इसके लिए उसे अगले मुकाबले में जीतना होगा। अगर न्यूजीलैंड अगले मुकाबले में अमेरिका से हारा तो भारत के लिए ड्रॉ से भी काम हो जाएगा। भारत को पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए सेमीफाइनल में जीतना होगा या फिर तीसरे स्थान के लिए मैच अपने नाम करना होगा।

मेट्रो बाजार

एआई से दुनियाभर में जॉब सिक्योरिटी के लिए खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जीवा का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनियाभर में जॉब सिक्योरिटी के लिए खतरनाक साबित होगा। स्विट्जरलैंड के दावोस में से शुरू हुई वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की सालाना बैठक में शामिल होने से पहले आईएमएफ चीफ जॉर्जीवा ने कहा- एआई से विकसित देशों की 60 फीसदी नौकरियां खतरे में आ जाएंगी। यह जॉब सिक्योरिटी के लिहाज से भी खतरनाक साबित होगा। हालांकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए मौके पैदा करेगा। एक नई रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा- विकासशील देशों में एआई का प्रभाव कम हो सकता है, लेकिन वैश्विक स्तर पर करीब 40 प्रतिशत नौकरियों पर एआई का असर पड़ सकता है। वहीं, उन्होंने 2024 के लिए दुनिया को चेताया है। उन्होंने कहा कि 2024 दुनियाभर की अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किल साल हो सकता है। दुनिया कोरोना के वक्त लिए गए कर्ज के जाल से अभी तक नहीं निकल पाई है। वहीं इस साल दुनिया में 60 से ज्यादा देशों में चुनाव हैं। ऐसे में सरकारें लोगों को लुभाने के लिए पैसे खर्च करेंगी, इससे देशों पर कर्ज और बढ़ेगा। नई रिपोर्ट पब्लिश हुई। इसमें अनुमान जताया गया है कि उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में लेबर मार्केट पर एआई का शुरुआती असर कम होगा। चीफ ने कहा- हमें विशेष रूप से कम आय वाले देशों को तेजी से आगे बढ़ने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से बनने वाले अवसरों का लाभ उठा सकें।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि दुनियाभर की आधी नौकरियों पर एआई का गलत असर पड़ेगा। बाकी बची आधी नौकरियों पर इसके अच्छे प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का खतरा उन देशों में सबसे ज्यादा होगा, जहां हाई स्किल्ड जॉब की डिमांड होगी।

इंफिनिक्स स्मार्ट-8 स्मार्टफोन 6,749 में लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। हांगकांग बेस्ड टेक कंपनी इंफिनिक्स ने भारत में इंफिनिक्स स्मार्ट-8 स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। इस नए स्मार्टफोन में कंपनी ने सेगमेंट में पहली बार एआई कैमरा दिया है। स्मार्टफोन में पहली बार साइड माउंटेड फिंगरप्रिंट भी दी गई है। इसके अलावा यह इंफिनिक्स की स्मार्टफोन सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें फ्लैशलाइट के साथ सेल्फी कैमरा दिया गया है। स्मार्टफोन को एंड्रॉयड रन करने वाला मीडियाटेक हेलियो 36 प्रोसेसर के साथ दो स्टोरेज और चार कलर ऑप्शन में उतारा गया है। कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर स्मार्टफोन की कीमत 6,749 है। बायर्स इसे ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट से खरीद पाएंगे। इंफिनिक्स स्मार्ट 8 में रिफ्रेश रेट वाला 6.6 इंच का डिस्प्ले दिया गया है। इसकी मैक्सिमम ब्राइटनेस 500 निट्स है। परफॉर्मेंस के लिए स्मार्टफोन में एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम पर रन करने वाला मीडियाटेक हेलियो 36 प्रोसेसर दिया है। फोटोग्राफी के लिए इंफिनिक्स स्मार्ट 8 में पहली बार 50 एमपी का मेन कैमरा दिया गया है। वहीं सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए स्मार्टफोन में फ्लैश लाइट के साथ 8 एमपी कैमरा कंपनी ने दिया है। पावर बैकअप के लिए स्मार्टफोन में टाइप चार्जिंग पोर्ट के साथ 5000 एमएच की बैटरी दी गई है। एक बार फुल चार्ज होने पर यूजर्स इससे 39 घंटे कॉलिंग, 50 घंटे म्यूजिक और 36 घंटे वीडियो स्ट्रीमिंग कर पाएंगे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आलिया भट्ट के साथ फिल्म जिगरा में दिखेंगे वेदांग रैना!

आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' में वेदांग रैना नजर आ सकते हैं। फिल्म में उन्हें आलिया के भाई के रोल में देखा जा सकता है। हालांकि, मेकर्स या वेदांग की तरफ में इस खबर को सही करार नहीं किया गया है। वेदांग रैना का कहना है कि उन्हें खुशी होगी, अगर वो इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे। मगर, उन्हें भी इससे जुड़ी जानकारी नहीं है। वेदांग को हाल ही में फिल्म आर्चीज में देखा गया था। इस डेब्यू फिल्म की शूटिंग के पहले दिन वो बहुत नर्वस थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक हालिया इंटरव्यू में किया है।

एक्टर नहीं सिंगर बनना चाहते थे वेदांग

एक इंटरव्यू में वेदांग ने बताया कि वो कभी एक्टर नहीं बनना चाहते थे। वो म्यूजिक फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। 17 या 18 साल की उम्र में उन्होंने अपना पोर्टफोलियो एक एजेंसी को भेजा और वहीं से ऑडिशन देने का सिलसिला शुरू हुआ। फिल्म जिगरा में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा- हर कोई मुझसे यह पूछता रहता है, लेकिन मुझे भी इस बारे में कुछ नहीं पता है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात है। अफवाहें हमेशा उड़ती रहेंगी, लेकिन आलिया भट्ट के भाई का किरदार निभाना एक बहुत ही दिलचस्प मौका है। बता दें, फिल्म जिगरा में आलिया पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। फिल्म 27 सितंबर को रिलीज होगी।

जोया के साथ काम करने में घबराए हुए थे

हाल में वेदांग ने फिल्म आर्चीज से एक्टिंग डेब्यू किया है। जोया अख्तर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को मिक्स रिव्यूज मिले हैं। शूटिंग के पहले दिन के एक्सपीरियंस के बारे में वेदांग ने बताया कि पहले दिन वो जोया के साथ काम करने में बहुत घबराए हुए थे। मगर जोया अख्तर के साथ काम करना उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था। वेदांग हमेशा से उनकी फिल्मों के दीवाने रहे हैं।

रूमर्ड गर्लफ्रेंड को लेकर की बात

वेदांग ने फिल्म आर्चीज में पहली बार खुशी कपूर के साथ काम किया था। उन्होंने खुशी कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए कहा कि उन्हें लगा था कि पहला दिन तनाव में बीतेगा। वो इस बात को लेकर परेशान थे कि खुशी के उनकी दोस्ती हो पाएगी या नहीं। मगर, कुछ समय में दोनों बहुत दोस्त बन गए। खुशी के साथ उनका यह सफर अच्छा रहा।

'12वीं फेल' के बाद बुलंदी पर सितारे, विक्रांत के हाथ लगी एकता की फिल्म

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म '12वीं फेल' ने विक्रांत मैसी की किस्मत पलटकर रख दी है। बीते वर्ष रिलीज हुई बेहद कम बजट की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस फिल्म के बाद विक्रांत अब अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। उनके हाथ एकता कपूर की फिल्म लगी है। कहा जा रहा है कि एकता की आगामी पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म में विक्रांत नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एकता कपूर की आगामी फिल्म के लिए विक्रांत के नाम पर मुहर लग गई है। सूत्रों के मुताबिक एकता की आगामी फिल्म सामाजिक-राजनीतिक थ्रिलर फिल्म है। यह 2000 के दशक की शुरुआत में हुई एक घटना पर आधारित है, जिसने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया था। इस घटना का खुलासा नहीं किया गया है। एकता कपूर के इस प्रोजेक्ट का निर्देशन वेब सीरीज 'ग्रहण' के निर्देशक रंजन चंदेल कर रहे हैं। एकता इस कहानी को पर्दे पर लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। कहा जा रहा है कि ये फिल्म जिस मुद्दे पर है, उस पर वर्षों से बहस होती रही है, लेकिन किसी ने भी इस विषय पर फिल्म बनाने की हिम्मत नहीं दिखाई। लेकिन, एकता कपूर ने ये जोखिम उठाया है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है। फिल्म की स्क्रिप्ट सुनकर विक्रांत हैरान रह गए और उन्होंने फिल्म के लिए रजामंदी दे दी है। बात करें फिल्म 12वीं फेल की तो बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 55 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। विक्रांत आने वाले समय में तापसी पन्नू के साथ उनकी फिल्म 'फिर आई दिलरुबा' में नजर आएंगे, जो 2021 की फिल्म 'हसीन दिलरुबा' का सीक्वल है। इसके अलावा वे दिनेश विजान की निठारी कांड पर आधारित फिल्म 'सेक्टर 36' में नजर आएंगे। 'यार जिगरी' भी विक्रांत की झोली में है।

दक्षिण अफ्रीका की 'मीरा' को 'सलार' के गाने 'काली' ने दिलाई दुनिया भर में शोहरत

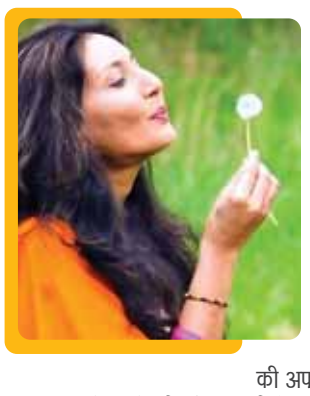

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की सुपरहिट फिल्म 'सलार पार्ट 1 सीजफायर' अब भी बॉक्स ऑफिस पर रौनक बनाए हुए हैं। फिल्म की तारीफ इसकी 'गेम ऑफ थ्रोन्स' जैसी कहानी और इसके कलाकारों के अभिनय, फिल्म के एक्शन सीन्स के साथ ही इसके संगीत को लेकर भी हो रही है। फिल्म का एक गाना इस बीच खूब धूम मचाता रहा है और ये गाना 'काली मां' फिल्म में ऐसे मोड़ पर आता है जहां से फिल्म का पूरा तेवर और कलेवर ही बदल जाता है। ये गाना गाया है शशिका मूरत ने, जिन्हें दक्षिण अफ्रीका की 'मीरा' के रूप में जाना जाता है। अपने कृष्ण भजनों के लिए लोकप्रिय रहीं शशिका ने हाल के दिनों में राम भजन भी खूब गाए हैं। शशिका मूरत भारतीय मूल की अफ्रीकी गायिका हैं। उन्होंने अपने गायन से भजनों को नए स्वरूप में गढ़ने की कोशिश की है। शशिका ने हिंदी सिनेमा के दिग्गज गायकों में महेंद्र कपूर से लेकर किशोर कुमार, सोनू निगम, उदित नारायण के साथ गाने गाए हैं। 70 के दशक में जब शशिका ने किशोर कुमार के साथ साउथ अफ्रीका में मंच साझा किया था तब किशोर कुमार उनकी गायकी से बहुत ज्यादा प्रभावित हुए थे। उन्होंने उसी समय शशिका के पिता से कहा था कि यह गलत जगह है, इन्हें भारत में होना चाहिए। शशिका स्वर कोकिला लता मंगेशकर को अपना आदर्श मानती रही हैं। शशिका ज्यादातर कृष्ण भजन गाती हैं।

वाचनालय का निरीक्षण

भोपाल। महापौर मालती राय ने आज शिवाजी नगर में पांच नंबर स्टॉप पर स्थित पंडित शीतल प्रसाद तिवारी वाचनालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों को यहां व्यवस्थाओं में सुधार के लिये जरूरी निर्देश दिये। इस लाइब्रेरी का निर्माण प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेने वाले छात्रों के अध्ययन के लिये खासतौर पर कराया गया है।

चौपाल: गांधी विचार ही राम व जनकाम से जोड़ता है

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ई-गांधी चौपाल के तहत रामराज की नीतियों और रामकाज की शैलियों पर विमर्श करने पर जोर दिया गया है। गांधी चौपाल के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि रामराज की नीतियां ही जनकल्याण और मानव जीवन के उत्थान का मार्ग हैं। 20 फीसदी आबादी के पास अगर एक समय का भोजन नहीं और नौनिहाल कुपोषित हैं तो निश्चित ही यह रामकाज की उपेक्षा है। इस चौपाल में समाजवादी चिंतक अरविंद कुशवाहा ने कहा कि कांग्रेस निरंतर गांधी के रास्ते पर चले क्योंकि गांधी विचार ही राम से भी जोड़ता है और जनता के कल्याण से भी। छिंदवाड़ा से गुंजन शुक्ला ने व्यक्तिगत जन संपर्क की सघनता पर जोर दिया और कहा कि कुटिल दुष्प्रचार से देश को बचाने में संपर्क ही सफलता दे सकता है। हाईकोर्ट अधिवक्ता दीपक सिंह ने कहा कि देश को वास्तविक मूद्दों से हटाकर गुमराह करने का खेल चल रहा है।

शराब के लिए अड़ीबाजी, रॉड से हमला, बाइक में तोड़फोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

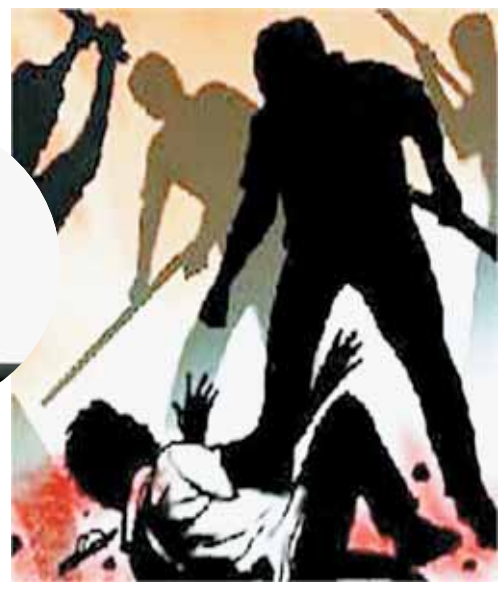

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित सिंगार चोली के पास दो बदमाशों ने बाइक सवार युवक को रोक लिया और पांच सौ रुपए की अड़ीबाजी की। रुपए नहीं देने पर आरोपियों ने युवक से मारपीट की और रॉड से हमला कर दिया। बदमाश बाइक में तोड़फोड़ करते हुए फरार हुए है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ, मारपीट, अड़ीबाजी समेत तोड़फोड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार वरुण रजक पिता दुर्गाप्रसाद (21) सिंगारचोली, कोहेफिजा में रहता है और प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 14 जनवरी को उसकी छोटी बहन का जन्म दिन था। जन्मदिन में उसके रिश्तेदार आए हुए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद वह वह अपने चाचा विजय को छोड़ने के लिए बाइक से निकला था। रात करीब 1 बजे के आसपास सिंगारचोली में घर से थोड़ी ही दूर पहुंचे थे कि विक्की और शुभम मिल गए। दोनों ने रोकते हुए कहा कि हमें शराब पीने के लिए 500 रुपए चाहिए। वरुण ने कहा कि रुपए नहीं है तो शुभम भड़क गया और हाथ में रखी रॉड से हमला कर दिया। रॉड उसके कंधे पर लगी थी। इसके बाद शुभम के साथ मौजूद विक्की अपने हाथ में चाकू लेकर उसके पीछे दौड़ने लगा। विवाद होता देख वरुण की बहन आई तो आरोपियों ने उससे भी अभद्रता की। आरोपियों ने गुस्से में वरुण के चाचा विजय की बाइक में रॉड और पत्थर से तोड़फोड़ की है। आरोपी जाते समय धमकाते हुए गए है कि शिकायत की तो जान से खत्म कर देंगे।

रिश्तेदार की मदद से किया अपहरण, दैहिक शोषण कर रहा था बदमाश

कोचिंग क्लास की टीचर का कार से अपहरण, दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र में कोचिंग क्लास लेने वाली टीचर का कार से अपहरण और सुनसान में ले जाकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी करीब छह महीने से टीचर का दैहिक शोषण कर रहा था। अपहरण में उसने अपने रिश्तेदार की मदद ली थी। मामला उस समय बिगड़ गया, जब रिश्तेदार ने भी टीचर पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता ने घटना की शिकायत सोमवार रात कोलार थाने पहुंचकर की है। पुलिस ने उक्त मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ बलात्कार, अपहरण जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

पुलिस के अनुसार 18 साल की युवती कोलार इलाके में रहती हैं और बच्चों की कोचिंग क्लास का संचालन करती हैं। कैलाश मीणा कोलार में रहता है?और उसके बच्चे युवती के घर कोचिंग पढ़ने जाते थे। कैलाश मीणा के रिश्तेदार हर्ष है और उसी के घर रहता है। कई बार वह कैलाश के बच्चों को कोचिंग छोड़ने भी जाता था। इसी बीच उसकी पहचान कोचिंग क्लास पढ़ाने वाली युवती से हो गई। उसकी मोबाइल पर भी युवती से बातचीत होती थी। युवती का कहना है?कि अमरनाथ कॉलोनी वाली रोड पर गत 6 जुलाई 2023 को उसे कैलाश और हर्ष मीणा कार मिले थे। उन्होंने घर छोड़ने की बात कही। युवती उनके साथ कार में बैठ गई। आरोपी उसे घर छोड़ने की बजाय सुनसान इलाके में लेकर पहुंचे थे, वहां हर्ष मीणा ने जबरन उससे दुष्कर्म किया। युवती ने उसका विरोध किया तो वह कहने लगा कि मैं तुमसे शादी करुंगा।

फाइल फोटो

औपचारिक रूप से कर ली शादी

युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी हर्ष मीणा ने औपचारिक रूप से उससे शादी कर ली थी। इसके बाद वह युवती का दैहिक शोषण करने लगा। युवती का कहना है कि गत 8 जनवरी को हर्ष के दोस्त कैलाश मीणा ने भी उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया था। इस बात से दुखी होकर उसने सोमवार को पुलिस को शिकायती आवेदन दिया।

कोतवाली की इलेक्ट्रानिक टॉयज की दुकान में वारदात

कैमरा का डायरेक्शन बदलकर चोरी, दुकान में लगाई आग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फाइल फोटो

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इतवारा रोड पर इलेक्ट्रानिक टॉयज की दुकान में बदमाशों ने पहले सीसीटीवी कैमरे का डायरेक्शन बदला फिर चोरी करने के बाद दुकान में आग लगाकर फरार हो गए। आगजनी में दुकान में रखा काफी सारा सामान जलकर खाक हुआ है। पुलिस ने आगजनी का मामला दर्ज किया था। जांच में पता चला कि यह वारदात नकबजनी की है।

पुलिस के अनुसार नीलकंठ कॉलोनी ईदगाह हिल्स निवासी जगदीश सिसोदिया (57) की इतवारा, रोड कोतवाली में मकान है। मकान में ही वे इलेक्ट्रानिक टॉयज की दुकान का संचालन करते हैं। कुछ समय पहले परिवार यहां से ईदगाह हिल्स रहने चला गया था। जगदीश को 6 जनवरी की सुबह करीब 6 बजे दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। वे दुकान पहुंचे और फायर ब्रिगेड की दमकलों की मदद से आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने उक्त मामले में आगजनी का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो पता चला कि एक बदमाश दुकान में घुसा था और कैमरे का डायरेक्शन बदलने के बाद चोरी की। वह दुकान से वीडियो गेम व अन्य इलेक्ट्रानिक सामान चुराकर ले गया है। इसके बाद दुकान में आग लगाई गई।

भारतीय शिक्षा-मनोविज्ञान विषय पर छः दिवसीय कार्यशाला

भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने की आवश्यकता है: उच्च शिक्षा मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भवभूति प्रेक्षागृह में भारतीय शिक्षा-मनोविज्ञान विषय पर आधारित छः दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को हुआ। इस अवसर पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षा मात्र शारीरिक ही नहीं बल्कि व्यक्ति का समग्र विकास करती है। शिक्षा पद्धति में भारतीय मान्यताओं और परम्पराओं का समावेश कर उत्कृष्ट समाज का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए देश की उपलब्धियों पर गर्व का भाव जागृत कर भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने की आवश्यकता है। मंत्री परमार ने कहा कि अपनी भाषा, संस्कृति, इतिहास, नायक एवं उपलब्धियों आदि पर स्वाभिमान का भाव स्वयं में जागृत करें। युगानुकुल परिवर्तन के संकल्प के साथ भारतीय परम्पराओं, मान्यताओं और लोक व्यवहार पर शोध कर विज्ञान के समन्वय से नव सृजन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय परिवार ने विधानसभा सदन में संस्कृत में शपथ लेकर संस्कृत भाषा के प्रति सम्मान के लिए मंत्री परमार का संस्कृत साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया।

संस्कृत भाषा भारत की प्राचीनतम भाषा

परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा अनुरूप मनोविज्ञान के नवसृजन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा भारत की प्राचीनतम भाषा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। परमार ने विद्यार्थियों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए देश के उत्कृष्ट संस्थानों के मध्य संसाधनों के परस्पर आदान-प्रदान करने की प्रबंध योजना बनाने की बात कही।

मेट्रो एंकर सुसाइड नोट बरामद, लिखा-मैं जिंदगी में बहुत कुछ करना चाहती थी, नहीं कर सकी

बीबीए सेकंड ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित एलआईजी फोर-सुंदर नगर, हलालपुर में बीबीए सेकंड ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश परिजन ने कल सोमवार सुबह फांसी के फंदे पर लटकी देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। पुलिस को छात्रा के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने आत्महत्या की वजह नहीं लिखी है, लेकिन यह जरूर लिखा है कि मैं जीवन में बहुत कुछ करना चाहती थी, पर कुछ नहीं कर सकी।

पुलिस के अनुसार ईशा खूटे पिता संतोष कुमार खूटे (21) एलआईजी फोर- सुंदर नगर, हलालपुर में रहती थी और निजी कॉलेज से बीबीए सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। पिता संतोष कुमार खूटे ने पुलिस को बताया कि वह केडवरीज कंपनी में नौकरी करते हैं। उनकी दो बेटियों में ईशा बड़ी बेटी?थी। रविवार रात ईशा ने खाना खाया और अपने कमरे में सोने चली गई। सुबह उनकी नींद खुली तो दरवाजा खुला हुआ था, जबकि ईशा दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा चुकी थी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बादशव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने ईशा का मोबाइल भी चेक किया है, लेकिन मोबाइल से भी आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है।

डंपर ने सड़क पार कर रहे युवक को कुचला, मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित बंगरसिया चौराहा पर सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए एंबुलेंस एम्स लेकर पहुंची थी। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर का चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने डंपर बरामद कर लिया है। आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार दुर्गेश रावत पिता संजू रावत (18) बंगरसिया में रहता था और प्राइवेट काम करता था। रविवार शाम वह बंगरसिया बाजार आया था। चौराहा पर सड़क पार करते समय उसे तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। इस हादसे में उसे गंभीर चोट?आई?थी। एंबुलेंस दुर्गेश को एम्स लेकर पहुंची, वहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह दुर्गेश की मौत हो गई।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया ओपन बोर्ड के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को भोपाल में राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री ने बोर्ड कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की रूक जाना नहीं योजना प्रदेश में लोकप्रिय हुई है। इसके माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों में अध्ययन की प्रवृत्ति को और अधिक प्रोत्साहित किये जाने की जरूरत है।

भेल के ठेका श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित दानापानी रोड पर टिफिन सेंटर में खाना खाने पहुंचे भेल के ठेका श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने खाना खाया था। इसके बाद बाद टिफिन सेंटर वाली अम्मा से कहा कि मेरी तबीयत ठीक नहीं लग रही है घबराहट हो रही है मुझे अस्पताल लेकर चलों। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस का अनुमान है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। पुलिस के अनुसार मुकेश गुप्ता पिता स्वर्गीय जेपी गुप्ता (50) ए सेक्टर शाहपुरा में रहते थे और भेल में ठेका श्रमिक थे। वह अविवाहित थे। उनके माता पिता नहीं है। वे अपने दो भाइयों के साथ रह रहे थे। उनका एक भाई मैनिट में नौकरी करता है, जबकि दूसरा एम्स में नौकरी करता है। मुकेश दानापानी रोड पर एक अम्मा के टिफिन सेंटर से टिफिन लेते थे और कई बार वहीं खाना खा लिया करते थे। कल सोमवार शाम भी वह अम्मा के घर खाना खाने पहुंचे थे। उन्होंने खाना खाया और बैठ गए। इसी बीच उन्हें घबराहट होने लगी और उन्होंने अम्मा से कहा कि मुझे अस्पताल लेकर चलों। इसके बाद वह बेसुध हो गए। उन्हें एंबुलेंस से जय प्रकाश अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन उनकी रास्ते में ही मौत हो गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022